CANDY TREE

वाणी

हिंदी पाठमाला

लेखक :
श्याम नारायण पांडेय
एम०ए० (हिंदी)

6

सहायक पुस्तिक 6-8

1 जीवन नहीं मरा करता है

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. प्रस्तुत कविता के कवि गोपाल दास 'नीरज' है।

ii. आँखों से निकलने वाले आँसुओं को कविता में मोती कहा गया है।

iii. कवि के अनुसार समस्या समाप्त हो जाने पर तपस्या पूरी हो गई।

iv. केवल जिल्द बदलती पोथी' का भाव यह है कि जिस प्रकार पुस्तकों के अंदर दिए गए पाठ वही होते हैं परंतु पुस्तक को नया बनाने के लिए हम इस पुस्तक पर नई जिल्द चढ़ा देते हैं उसी प्रकार से मानव जीवन भी होता है।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. ii. आँखों से बहने वाला पानी 2. ii. बेकार

3. i. नेत्र को 4. iii. बगीचे को

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. कवि के अनुसार जीवन एक कला है।

ii. 'चंद खिलौनो के खोने से बचपन नहीं मरा करता है' से कवि का आशय है कि जिस प्रकार से कुछ खिलौने खो जाने से बच्चों का बचपन समाप्त नहीं होता उसी प्रकार से मनुष्य के जीवन से कुछ लोगों के कम हो जाने पर भी मनुष्य को जीवन समाप्त नहीं करना चाहिए उसे जीवन की कला का ज्ञान होना चाहिए।

iii. कवि कहता है कि जीवन कभी निराधार नहीं होता है। जीवन कभी समाप्त नहीं होता। जीवन जीने की कला का ज्ञान आवश्यक है।

(घ) निम्नलिखित पद्यांशो की संदर्भ-प्रसंग सहित व्याख्या करो–

i. माला बिखर गई तो क्या है?
खुद ही हल हो गई समस्या।
आँसू गए नीलाम हुए तो
समझो पूरी हुई समस्या।

संदर्भ– प्रस्तुत सुंदर पंक्तियां हमारी पाठ्य पुस्तक '**वाणी**' के **गोपाल दास 'नीरज'** द्वारा रचित '**जीवन नहीं मरा करता है**' नामक पाठ से ली गईं हैं।

प्रसंग– प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने बताया है कि जीवन कभी भी निराधार नहीं होता है।

व्याख्या– कवि कहता है कि चाहे कुछ भी जीवन में बिखर जाए तब भी रोकर जीवन को व्यर्थ समझना नहीं चाहिए क्योंकि समस्याएँ तो आती जाती रहती हैं जीवन का लक्ष्य यदि पूर्ण हो जाए तो समझना चाहिए कि जीवन की तपस्या ही पूर्ण हो गई है। व्यर्थ में आँसुओं को नहीं बहाना चाहिए।

ii. खोता कुछ भी नहीं यहाँ पर
केवल जिल्द बदलती पोथी
जैसे रात उतार चाँदनी
पहने सुबह धूप की धोती।
वस्त्र बदलकर आने वालों।
चाल बदलकर जाने वालों।
चंद खिलौनों के खोने से बचपन नहीं मरा करता है।

संदर्भ– उपरोक्त

प्रसंग– प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने जीवन के आधार को बताया है।

व्याख्या– कवि कहता है कि इस संसार में जन्म लेना व्यर्थ नहीं जाता इस संसार में मनुष्य का कुछ भी नहीं खोता है। सब कुछ प्राप्त हो जाता है। जिस प्रकार से पुरानी पुस्तकों को जिल्द चढ़ाकर नया बना दिया जाता है जैसे रात रूपी सुंदरी चाँदनी रूपी वस्त्र उतार कर सुबह होने पर धूप रूपी साड़ी पहन लेती हैं उसी प्रकार से मनुष्य भी सुख–दुख, जीवन मृत्यु के रास्तों से गुजरता है। कवि कहता है कि चंद खिलौने के खो जाने से जिस प्रकार बचपन नहीं मरता उसी प्रकार से जीवन में परेशानियां भी आती है। पंरतु जीवन को समाप्त या निराधार नहीं समझना चाहिए।

(ङ) निम्नलिखित पंक्तियो के भाव स्पष्ट करो–

भाव

i. जिस प्रकार से कुछ दियों के बुझ जाने से आँगन समाप्त नहीं होता है। उसी प्रकार से जीवन में कुछ लोगों के कम हो जाने से जीवन समाप्त नहीं होता है।

ii. कवि कहता है कि यदि कुछ चेहरे नाराज होकर दर्पण न देखे तो दर्पण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

iii. कवि कहता है कि दूसरों से हमेशा नफरत करने वालों तथा दूसरों पर मजाक रूपी धूल उड़ाने वालों के होने पर भी जीवन को दुखों से नहीं भरना चाहिए। हँसकर जीवन की समस्याओं को दूर कर देना चाहिए।

iv. कवि कहता है कि जिस प्रकार माली द्वारा फूलों को उपवन से तोड़कर अलग कर दिया जाए परंतु उनकी सुगंध को माली भी नहीं छीन सकता उसी प्रकार मनुष्य से उसके गुणों को कोई नहीं छींन सकता।

भाषा ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखो–

उत्तर– i. आसुर **असुर** ii. सामस्या **समस्या**
iii. व्यॉथ **व्यर्थ** iv. वसत्र **वस्त्र**
v. आगनँ **आँगन** vi. दपर्ण **दर्पण**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखो–

उत्तर– i. आँख **नयन नेत्र लोचन**

ii. दिवस **दिन वार वासर**

iii. कोशिश **प्रयत्न प्रयास चेष्टा**

iv. चाँद **शशि चन्द्रमा भूषण**

v. उपवन **बाग उद्यान वाटिका**

vi. रात **रात्री निशा रजनी**

(ग) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखो–

उत्तर– i. जवानी **बुढ़ापा** ii. तम **प्रकाश**

iii. खोना **पाना** iv. समस्या **निदान**

v. धूप **छाँव** vi. रात **दिन**

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

2 सड़क की बात

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. चौराहे पर लगी लाल-बत्ती हमें रूकने का संकेत देती है।

ii. हरी बत्ती होने पर ही चौराहा पार करना चाहिए।

iii. जेब्रा लाइन सफ़ेद रंग की बनी होती है।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. iii. दोनों 2. ii. बाईं ओर

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. सड़क तारकोल कंकड़, पत्थर, मिट्टी, गिट्टी आदि से बनाई जाती है।

ii. सड़क पर चलते समय सड़क के नियमों का ध्यान रखना चाहिए।

iii. ये बत्तियाँ रुकने व चलने का संकेत करती हैं। जब अपनी तरफ लाल बत्ती हो तो रुक जाना चाहिए। हरी बत्ती होने पर ही चौराहा पार करना चाहिए। पीली बत्ती चलने की तैयारी या सावधानी से चलते रहने का संकेत देती है।

(घ) रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

i. लाल ii. सफेद iii. खुशी होगी iv. आराम v. बाईं

भाषा ज्ञान

(क) शुद्ध उच्चारण करो–

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति उपयुक्त शब्द-युग्म से करो–

उत्तर– i. चलने-फिरने ii. लंबी-चौड़ी iii. टेढ़ा- मेढ़ा iv. कूड़ा-करकट

(ग) निम्नलिखित शब्द-युग्मो को वाक्यों में प्रयोग करो–

उत्तर– i. राम ने श्याम के **हाल-चाल** पूछे।

ii. **चलना-फिरना** स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

iii. **नये-पुराने** सभी वस्त्र रख दो।

iv. **आमने सामने** खड़े होकर बात करो।

(घ) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो–

उत्तर–	रास्ता	**पथ**	**मार्ग**
	दुख	**तकलीफ**	**मुसीबत**
	पेड़	**वृक्ष**	**तरू**
	खुशी	**प्रसन्नता**	**आमोद**
	घर	**गृह**	**भवन**
	हाथ	**कर**	**हस्त**
	इच्छा	**चेष्टा**	**कामना**

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखो–

उत्तर–	गाँव	**शहर**	रंग	**बेरंग**
	आराम	**काम**	दुख	**सुख**
	इच्छा	**अनिच्छा**	अपना	**पराया**
	चलना	**रूकना**	सावधानी	**असावधानी**

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

3 साथी जीव-जंतु

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. प्रस्तुत पाठ के लेखक नाम जवाहरलाल नेहरू है।

ii. लखनऊ जेल में लेखक की मुलाकात खटमल, मच्छर, मक्खियों बर्र चमगादड़ों चीटियों, छिपकलियों, कबूतरों आदि जीव-जंतुओं से हुई।

iii. मेरी कोठरी के समीप तीन-चार साँप भी पाए गए। एक साँप के मिलने की खबर तो समाचार-पत्रों में भी छप गई थी। इस प्रकार की नई घटनाओं का मैं स्वागत भी किया करता था। चूँकि जेल-जीवन एक-सा रहता है, और जो घटना इस एक से जीवन को भंग करती है, उसका स्वागत किया जाता है। मैं साँपों का स्वागत नहीं करता, किंतु उनसे डरता भी नहीं हूँ। उनसे अन्य लोग डरते रहते हैं। यद्यपि मैं उसके काटे जाने से डरता हूँ और यदि साँप को देखता हूँ तो उससे अपनी रक्षा भी करता हूँ, लेकिन मेरे हृदय में घबराहट या डर नहीं पैदा होता।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. iii. लगभग साढ़े चौदह महीने 2. ii. चमगादड़ को

3. ii. बिच्छू को

(ग) निम्न प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. लेखक को देहरादून जेल की कोठरी में लगभग साढ़े चौदह महीने बिताने पड़े इसलिए लेखक कोठरी के लगभग प्रत्येक भाग से परिचित हो गए थे। वहाँ पर लेखक का सामना अनेक प्रकार के जीव-जंतुओं से हुआ। और वहाँ पर रहते हुए ये सभी जीव-जंतु लेखक के मित्र बन गए थे।

ii. जेल में गिलहरियाँ लेखक के पैरों पर चढ़कर लेखक की गोद में बैठ जाती थीं तथा जब उन्हें अनुभव होता था कि लेखक वृक्ष नहीं है तो वे भाग जाती थीं।

iii. बरेली जेल में एक बंदर का बच्चा लेखक की बैरक में आ गया और उससे फिर से दीवार पर न चढ़ा गया। वार्डरों और कैदियों ने उसको पकड़ लिया और एक रस्सी उसके गले में बाँध दी। ऊँची दीवार के शिखर से उस बच्चे के माँ-बाप ने यह सब देखा तो उनका क्रोध बढ़ गया। अचानक उनमें से एक बड़ा और मोटा बंदर नीचे कूदा और उसने भीड़ पर हमला कर दिया। जो उस बच्चे को घेरे हुए खड़ी थी। वार्डरों और कैदियों के हाथों में बड़े-बड़े डंडे थे। लेकिन वह बंदर उस भीड़ को डराकर अपने बच्चे को छुड़ाकर शान के साथ ले गया।

iv. जेल में लेखक की मुलाकात जहरीले बिच्छू तथा साँप आदि भयंकर जीवों से हुई।

(घ) रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

उत्तर– i. उसके प्रत्येक भाग से मैं **परिचित** हो गया।

ii. हम एक-दूसरे का **सम्मान** करने लगे।

iii. वे बड़ी **साहसी** थीं और मेरे **पास** आ जाती थीं।

iv. इस समय उनकी **क्रियाएँ** और **धैर्यहीन चिल्लाहट** सुनकर बड़ा आनंद आता था।

v. मैं **साँपों** का स्वागत नहीं करता, किंतु उनसे **डरता** भी नहीं हूँ।

(ङ) सही कथन पर (✓) का तथा गलत कथन पर (✗) का चिह्न लगाओ–

उत्तर– i. ✗ ii. ✗ iii. ✓ iv. ✓ v. ✓ vi. ✓।

(घ) कुछ अलग नया–

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

(क) नीचे कुछ एकवचन व बहुवचन शब्द दिए जा रहे हैं, उन्हें चुनकर अलग-अलग लिखो–

उत्तर– एकवचन	**बहुवचन**	**एकवचन**	**बहुवचन**
कविता	दवाएँ	कलम	छात्रों
बहन	गाड़ियाँ	स्त्री	छाते
शेर	दीवारें	मुर्गा	बातें

(ख) निम्नलिखित वाक्यों को पढ़ो और उनके काल लिखो–

उत्तर– i. भूतकाल ii. वर्तमान काल iii. भविष्यत् काल

iv. भूतकाल v. वर्तमान काल

(ग) निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाओ–

उत्तर– i. स्वच्छंद = **स्वच्छंदता** ii. चपल = **चपलता**
iii. कठोर = **कठोरता** iv. उत्सुक = **उत्सुकता**
v. शीतल = **शीतलता** vi. व्याकुल = **व्याकुलता**
vii. नीरस = **नीरसता** viii. सरल = **सरलता**

(घ) निम्नलिखित शब्दों को उदाहरणानुसार अलग करो–

उत्तर– i. देहरादून = **देहरा** + **दून**
ii. परिचित = **परि** + **चित**
iii. उत्सुकता = **उत्सुक** + **ता**
iv. शिकायत = **शिक** + **आयत**
v. कदाचित = **कदा** + **चित**
vi. छिपकली = **छिप** + **कली**

(ङ) निम्नलिखित वाक्यों में से कारक-चिहन छाँटो–

उत्तर– i. की, में ii. से iii. में, को
iv. को v. की, की, पर

(च) निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध करो–

उत्तर– i. कोठरि = **कोठरी** v. परत्येक = **प्रत्येक**
ii. परकृति = **प्रकृति** vi. हश्त = **हस्त**
iii. सूंदर = **सुंदर** vii. छपिकलि = **छिपकली**
iv. तलास = **तलाश** viii. साम = **साँप**

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

4 पेड़ की बात

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. हाँ पेड़-पौधे भी भोजन करते हैं।
ii. पेड़-पौधों में दो भाग जड़ व तना मिलते हैं।
iii. जीवन का मूलमंत्र प्रकाश है।
iv. गाछ-बिरछ की संतान बीज है।
v. पेड़ सबके लिए इसलिए जरूरी होते हैं क्योंकि पेड़ हमें शुद्ध हवा देते हैं, जीवन के लिए उपयोगी ऑक्सीजन गैस देते हैं खाने के लिए फल देते हैं तथा वर्षा कराने में सहायक सिद्ध होते हैं।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. ii. वसंत 2. ii. दो 3. iv. तना

4. iv. सूक्ष्म पदार्थ 5. iii. पत्ती

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. हम जिस तरह भोजन करते हैं, गाछ-बिरछ भी उसी तरह भोजन करते हैं। गाछ-बिरछ के दाँत नहीं होते, इसलिए वे केवल तरल द्रव्य या वायु से भोजन ग्रहण करते हैं। गाछ-बिरछ के द्वारा माटी से रसपान करते हैं। माटी में पानी डालने पर उसके भीतर बहुत से द्रव्य गल जाते हैं। गाछ-बिरछ वे ही तमाम द्रव्य सोखते हैं। जड़ों को पानी न मिलने पर पेड़ का भोजन बंद हो जाता है, पेड़ मर जाता है।

ii. गाछ के पत्ते हवा से आहार ग्रहण करते हैं। पत्तों में अनगिनत छोटे-छोटे मुँह होते हैं। खुर्दबीन के जरिए अनगिनत मुँह पर अनगिनत होंठ देखे जा सकते हैं। जब आहार करने की जरूरत न हो तब दोनों होंठ बंद हो जाते हैं।

iii. सूर्य किरण का परस पाकर ही पेड़ पल्लवित होता है। गाछ-बिरछ के रेशे-रेशे में सूरज की किरणें आबद्ध है। ईंधन को जलाने पर जो प्रकाश व ताप बाहर प्रकट होता है, वह सूर्य की ही ऊर्जा है।

iv. जब हम श्वांस लेते हैं और उसे बाहर निकालते हैं तो एक प्रकार की विषाक्त वायु बाहर निकलती है, उसे 'अंगारक वायु' कहते हैं। अगर यह जहरीली हवा पृथ्वी पर इक्टठी होती रहे तो तमाम जीव-जंतु कुछ ही दिनों में उसका सेवन करके नष्ट हो सकते हैं लेकिन गाछ-बिरछ उसी का सेवन करके उसे पूर्णतया शुद्ध कर देते हैं।

v. खुशी के मौके पर हम अपने परिजनों को निमंत्रित करते हैं। उसी प्रकार फूलों की बहार छाने पर गाछ-बिरछ भी अपने बंधु-बांधवों को बुलाते हैं। स्नेहसिक्त वाणी में पुकार सकते हैं, ''कहाँ हो मेरे बंधु, मेरे बांधव आज मेरे घर आओ। यदि रास्ता भटक जाओ, कहीं घर पहचान नहीं सको, इसलिए रंग-बिरंगे फूलों के निशान लगा रखे हैं। ये रंगीन पंखुड़ियाँ दूर से देख सकोगे।''

vi. मधुमक्खी के आगमन से बिरछ का भी उपकार होता है। तुम लोगों ने फूल में परागकण देखे होंगे। मधुमक्खियाँ एक फूल के पराग-कण दूसरे फूल पर ले जाती हैं। पराग-कण के बिना बीज पक नहीं सकता।

vii. अपने शरीर का रस पिलाकर बिरछ बीजों का पोषण करता है। अब अपनी जिंदगी के लिए उसे मोह-माया का लोभ नहीं है। तिल-तिल कर संतान की खातिर सब-कुछ लुटा देता है। जो शरीर कुछ दिन पहले हरा-भारा था, अब वह बिल्कुल सूख गया है। अपने ही शरीर का भार उठाने की शक्ति क्षीण हो चली है। पहले हवा बयार करती हुई आगे बढ़ जाती थी। पत्ते हवा के संग क्रीडा करते थे। छोटी-छोटी डालियाँ ताल-ताल पर नाच उठती थी। अब सूखा पेड़ हवा का आघात सहन नहीं कर सकता। हवा का एक थपेड़ा लगते ही वह थर-थर काँपने लगता है। एक-एक करके सभी डालियाँ टूट पड़ती हैं। अत: एक दिन अकस्मात् पेड़ जड़ सहित जमीन पर गिर पड़ता है।

(घ) रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

उत्तर– i. अंकुर का एक अंश नीचे माटी में **मजबूती** से गड़ गया और दूसरा अंश माटी

भेदकर ऊपर की ओर उठा।

ii. गाछ-बिरछ जड़ के द्वारा माटी से **रसपान** करते हैं।

iii. खुर्दबीन से अत्यंत **सूक्ष्म** पदार्थ स्पष्टतया देखे जा सकते हैं।

iv. गाछ-बिरछ की सर्वाधिक कोशिश यही रहती है कि किसी तरह उन्हें थोड़ा-सा **प्रकाश** मिल जाए।

v. फूलों से **आच्छादित** होने पर पेड़ कितना सुंदर दिखलाई पड़ता है।

(ङ) सही कथन पर (✓) का तथा गलत कथन पर (✗) का चिह्न लगाओ–

उत्तर– i. ✗ ii. ✓ iii. ✓ iv. ✓ v. ✓।

(च) कुछ अलग नया–

उत्तर– पेड़-पौधों के अत्यधिक कटान से बहुत अधिक नुकसान होता है। सबसे पहले तो पेड़-पौधों से पर्यावरण में संतुलन बना रहता है। साथ ही पेड़-पौधों से हमें जीवन-दायिनी शुद्ध वायु प्राप्त होती है। पेड़-पौधे वर्षा के जल का भी संचय करते हैं जिससे धरती पर पानी पर्याप्त मात्रा में मिल जाता है। यदि हम पेड़ पौधों को काटेंगे तो हमें पर्यावरण असंतुलन को झेलना पड़ेगा। तथा आने वाले समय में हम पानी की कमी को भी झेलेंगे। अत: हमें पेड़-पौधों के अनावश्यक कटान को रोकने के प्रयास करने चाहिए।

भाषा-ज्ञान

(क) निम्नलिखित के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो–

उत्तर– i. पेड़ **वृक्ष विटप**

ii. रोशनी **चाँदनी चंद्रिका**

iii. सूर्य **भानु रवि**

iv. फूल **पुष्प सुमन**

v. हवा **वायु पवन**

vi. अंधकार **अंधेरा तम**

(ख) विलोम शब्द लिखो–

उत्तर– i. समाप्त **प्रारंभ**

ii. प्रकाश **अंधेरा**

iii. खिलना **मुरझाना**

iv. ऊपर **नीचे**

v. प्रवेश **गमन**

vi. भीतर **बाहर**

(ग) निम्नलिखित शब्दों से बहुवचन बनाइए–

उत्तर– i. पेड़ **पेड़ों**

ii. सर्दी **सर्दियाँ**

iii. चमत्कार **चमत्कारों**

iv. हवा **हवाएँ**

v. किरण **किरणें**

vi. मधुमक्खी **मधुमक्खियाँ**

(घ) 'प्र' उपसर्ग लगाकर शब्द बनाएँ–

उत्तर– i. वेश **प्रवेश** iii. काश **प्रकाश** v. ण **प्रण**

ii. कट **प्रकट** iv. फुल्लित **प्रफुल्लित** vi. कार **प्रकार**

(ङ) निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण-विशेष्य छाँटकर सामने लिखो–

उत्तर–	**विशेषण**	**विशेष्य**		**विशेषण**	**विशेष्य**
i.	छोटे-छोटे	मुँह	ii.	कठोर	चीज
iii.	मरने से पहले	संतान	iv.	स्नेहसिक्त	वाणी

v. मटमैली माटी vi. सभी डालियाँ

(च) कर्मवाच्य में बदलों–

उत्तर– i. पेड़-पौधों द्वारा भी साँस ली जाती है।

ii. हमारे द्वारा अपने परिजनों को निमंत्रित किया जाता है।

iii. पौधों द्वारा अपने फूलों में शहद का संचय किया जाता है।

iv. मधुमक्खियों व तितलियों द्वारा मधुपान किया जाता है।

(छ) निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाओ–

उत्तर– i. सुकोमल — छोटे बच्चे **सुकोमल** होते हैं।

ii. परीक्षण — वैज्ञानिक प्रत्येक पदार्थ का **परीक्षण** करते रहते हैं।

iii. द्रव्य — माटी में पानी डालने पर उसके भीतर बहुत-से **द्रव्य** गल जाते हैं।

iv. पूर्णतया — पेड़-पौधों से वातावरण **पूर्णतया** शुद्ध रहता है।

v. अग्रसर — बेल तथा लताएँ निरंतर ऊपर की ओर **अग्रसर** रहती हैं।

(ज) शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाओ–

उत्तर– i. सर्दियों के बाद बसंत आया।

ii. इसके अलावा गाछ के पत्ते हवा से आहार ग्रहण करते हैं।

iii. पेड़ सूर्य-किरण का परस पाकर ही पल्लवित होता है।

iv. मेरे ख्याल से माँ की ममता ही वह मणि है।

v. गाछ अपने फूलों में शहद का संचय करके रखते हैं।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

5 एक बूँद

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. बूँद के मन में यह प्रश्न उठ रहा था कि पता नहीं मेरे भाग्य में क्या लिखा है। मैं बच जाऊँगी या फिर धूल में मिल जाऊँगी।

ii. हवा के साथ बूँद समुद्र की ओर चली गई।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. ii. सीप का 2. ii. समुंदर की ओर

3. ii.सीप में 4. i. सागर

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. बूँद बादलों की गोद से निकलकर आ रही थी।

ii. बूँद अपने जी में सोचने लगी कि आह! मैं घर छोड़कर क्यों निकली।

iii. घर छोड़कर निकलने पर बूँद ने अपने भविष्य को लेकर कल्पना की कि पता नहीं मेरे भाग्य में क्या लिखा है। मैं बच जाऊँगी या धूल में मिल जाऊँगी किसी अंगारे पर गिरकर जल जाऊँगी या फिर किसी कमल के फूल में जा पड़ूँगी।

iv. अचानक हवा चलने पर बूँद समुद्र में एक सीप के खुले मुँह में जाकर गिर गई और मोती बन गई।

v. घर छोड़ते समय लोग इसलिए झिझकते हैं कि पता नहीं वे सफल होंगे भी या नहीं लेकिन कवि का कहना है कि कोई भी कार्य करते समय हमें घबराहट छोड़कर साहस से काम लेना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से सफलता अवश्य मिलती है।

(घ) कुछ अलग नया–

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

(क) कविता में से समान तुक वाले शब्द छाँटकर लिखो–

उत्तर– i. बढ़ी **कढ़ी** ii. धूल **शूल**

iii. अनमनी **सनसनी, बनी** iv. घर **कर**

(ख) निम्नलिखित शब्दों को ध्यान से पढ़ो और समानार्थी शब्दों के समूह बनाओ–

उत्तर– i.	कमल	**पंकज**	**जलज**	**राजीव**
ii.	समुद्र	**जलधि**	**सिंधु**	**सागर**
iii.	घर	**गृह**	**आलय**	**सदन**
iv.	बादल	**जलधर**	**मेघ**	**घन**
v.	देव	**प्रभु**	**ईश**	**ब्रह्म**

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम शब्दों को रेखांकित करो और उनके भेद लिखो–

उत्तर– i.	वह	**अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम**
ii.	मैं	**उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम**
iii.	तुम्हारे	**मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम**
iv.	उन्होंने	**अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम**
v.	हमने	**उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम**
vi.	उसका	**अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम**
vii.	उनको	**अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम**
viii.	तुमने	**मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम**

(घ) निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– i. गोद — एक बूँद अचानक बादलों की **गोद** से निकली।

ii. बूँद — **बूँद** समुद्र में सीप के मुँह में गिर पड़ी।

iii. भाग्य — हर व्यक्ति को **भाग्य** के अनुसार ही फल मिलता है।

iv. धूल — गर्मियों में **धूल** भरी आँधी चलती है।

v. सुंदर — जोधाबाई बहुत **सुंदर** रानी थी।

vi. अनमनी — आज पूजा कुछ **अनमनी** सी लग रही थी।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. कबीरदास का जन्म 1398 में वाराणसी में हुआ था।
ii. क्योंकि गुरु ने उसे गोविंद तक पहुँचने का मार्ग बताया है।
iii. ईश्वर को सुख में स्मरण करने से दुख नहीं आता।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. i. गोविंद 2. ii. आम
3. iii. फल लागै अति दूर।

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. वृक्ष और नदी का स्वभाव परोपकारी होता है।
ii. सच्चे व्यक्ति के हृदय में ईश्वर बसते हैं।
iii. दुर्बल को कभी नहीं सताना चाहिए क्योंकि दुर्बल की हाय जल्दी लगती है।
iv. मनुष्य को मीठी वाणी बोलनी चाहिए।

(घ) नीचे दिए गए भाव से संबंधित दोहे लिखिए–

उत्तर– i. ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय।
औरन को सीतल करे, आपहु सीतल होय।।
ii. बृच्छ कबहुँ नहीं फल भखै, नदी न संचै नीर।
परमारथ के कारनै, साधुन धरा शरीर।।
iii. बड़ा भया तो क्या भया, जैसे पेड़ खजूर।
पंथी को छाया नहीं, फल लागै अति दूर।।

भाषा-ज्ञान

(क) दो-दो पर्यायवाची लिखिए–

उत्तर– i. जल **पानी नीर** iv. पर्वत **हिमालय नगेश**
ii. वृक्ष **पेड़ तरु** v. नीर **जल अंबु**
iii. ईश्वर **प्रभु भगवान** vi. गोविंद **श्याम कृष्ण**

(ख) विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– i. दुख **सुख** iv. परमार्थ **स्वार्थ**
ii. शीतल **उष्ण** v. बुरा **भला**
iii. सत्य **असत्य** vi. जीवित **मृत**

(ग) लिंग-निर्णय कीजिए–

उत्तर– i. साहब **पुल्लिंग** ix. खाल **स्त्रीलिंग**
ii. राई **स्त्रीलिंग** x. वाणी **स्त्रीलिंग**
iii. खजूर **पुल्लिंग** xi. हृदय **पुल्लिंग**
iv. वृक्ष **पुल्लिंग** xii. हंस **पुल्लिंग**

v. पर्वत **पुल्लिंग**
vi. गोविंद **पुल्लिंग**
vii. मृग **पुल्लिंग**
viii. पंथी **पुल्लिंग**
xiii. गुरु **पुल्लिंग**
xiv. शरीर **पुल्लिंग**
xv. नीति **स्त्रीलिंग**

(घ) निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार बताइए–

उत्तर– i. यमक अलंकार
ii. अनुप्रास अलंकार
iii. रूपक अलंकार
iv. अनुप्रास अलंकार

(ङ) पाठ में अनुप्रास अलंकार वाली छह पंक्तियाँ छाँटकर लिखिए–

उत्तर– i. गुरु गोविंद दोऊ खड़े,
ii. साहब सो सब होत है,
iii. करता था तो क्यों किया, अब करि क्यों पछताय
iv. कस्तूरी कुंडलि बसै,
v. ऐसे घटि-घटि राम हैं,
vi. बड़ा भया तो क्या भया।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

7 अशोक का शस्त्र-त्याग

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. जिन हथियारों को हाथ में पकड़कर चलाया जाता है वे शस्त्र कहलाते हैं।
ii. कलिंग का फाटक बंद था।
iii. अशोक से पद्मा लड़ना चाहती थी।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो–

उत्तर– i. अशोक की चिंता का कारण था कलिंग का न जीता जाना।
ii. कलिंग के बंद फाटक खुलवाने के लिए अशोक ने सेना का संचालन स्वयं करने का निश्चय किया।
iii. अशोक ने अपने सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा, मेरे वीर सैनिकों! आज चार साल से युद्ध हो रहा है, फिर भी हम कलिंग को नहीं जीत पाए हैं। उसके किसी दुर्ग पर मगध की पताका नहीं फहरा रही है। कलिंग के महाराज मारे गए हैं। उनके सेनापति पहले ही कैद हो चुके हैं, फिर भी कलिंग आत्मसमर्पण नहीं कर रहा है। आओ, आज हम अपनी मातृभूमि की शपथ लेकर प्रण करें कि या तो हम कलिंग के दुर्ग पर अधिकार कर लेंगे या सदा के लिए मृत्यु की गोद में सो जाएँगे।
iv. शस्त्रसज्जित स्त्रियों की विशाल सेना को देखकर अशोक चकित रह गए।

v. अशोक ने स्त्री पर शस्त्र न चलाने हेतु शास्त्रों की आज्ञा का उदाहरण दिया।

vi. बदले का अच्छा अवसर आने पर भी पद्मा ने अशोक को जीवित इसलिए छोड़ दिया क्योंकि एक तो वह निहत्था था और दूसरे उसने प्रतिज्ञा की थी कि वह अब कभी हथियार नहीं उठाएगा।

vii. पद्मा ने 'शास्त्राज्ञा' के संदर्भ में अशोक से कहा, क्या शास्त्र की आज्ञा है कि तुम निरपराधियों की हत्या करो? शास्त्र की आज्ञा है कि तुम अपनी विजय-लालसा पूरी करने के लिए लाखों माताओं की गोद सूनी कर दो। लाखों की माँग का सिंदूर पोंछ दो? फूँक दो उस शास्त्र को जो तुम्हें यह सिखाता है। मैं तुमसे शास्त्र सीखने नहीं आयी हूँ, शस्त्रों से युद्ध करने आई हूँ। तुम हत्यारे हो, मैं अपनी बलि चढ़ाकर तुम्हारी खून की प्यास बुझाने आई हूँ। अपने सिपाहियों को कहो कि तलवार उठाएँ। कलिंग की स्त्रियाँ केवल युद्ध चाहती है।

viii. बौद्ध की शरण में जाता हूँ, धर्म की शरण में जाता हूँ, संघ की शरण में जाता हूँ।

(ग) सही कथन के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) लगाइए–

उत्तर– i. ✗ ii. ✓ iii. ✗ iv. ✗!

(घ) इस एकांकी को भावपूर्ण ढंग से पढ़िए। आप देखेंगे कि इसके कुछ संवाद जोशीली आवाज में पढ़े जाएँगे और कुछ नीची आवाज में। इस पाठ से (अ) तीन वाक्य ऐसे चुनिए, जिन्हें ऊँची आवाज में पढ़ा जाएगा और (ब) तीन वाक्य ऐसे चुनिए, जिन्हें नीचे आवाज में पढ़ा जाएगा–

उत्तर– (अ) i. महाराज अशोक की जय हो! शुभ संवाद है।

ii. बहनों! तुम वीर कन्या, वीर भगिनी और वीर पत्नी हो।

iii. कहाँ है मेरे पिता का हत्यारा? मैं उससे द्वंद्व युद्ध करना चाहती हूँ।

(ब) i. मैं स्त्रियों पर शस्त्र नहीं चलाऊँगा।

ii. बहुत हो चुका राजकुमारी! मैं अब युद्ध नहीं करूँगा। कभी युद्ध नहीं करूँगा।

iii. तो लीजिए बदला, राजकुमारी! मैं अपराधी हूँ।

(ङ) सैनिकों को उत्साहित करने के लिए सम्राट् अशोक और राजकुमारी पदमा द्वारा कही गई बातों की तुलना करके बताइए कि दोनों में से कौन अधिक प्रभावशाली है?

उत्तर– सैनिकों को उत्साहित करने के लिए सम्राट अशोक और राजकुमारी पदमावती द्वारा कही गई बातों से पता चलता है कि दोनों में राजकुमारी पदमावती द्वारा कही गई बातें अधिक प्रभावित करती हैं।

(च) सोचिए और बताइए–

उत्तर– अशोक एक महान् सम्राट् था, लेकिन फिर भी उसका सिर पद्मा के आगे इसलिए झुक गया था कि पदमा द्वारा कही गई बातों से उसे अहसास हो गया था कि उसने अपनी विजय के लिए न जाने कितनी माँगों का सिंदूर पोंछ दिया था, कितनी ही माँओं की गोद सूनी हो गई थी और कितनी की बहनों के भाई उनसे बिछुड़ गए थे। और

जब पद्मा ने उसको इन बातों का अहसास दिलाया तो उसका सिर पद्मा के आगे झुक गया और उसका मन ग्लानि से भर उठा।

(छ) भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– और शास्त्र ..... सिखाता है।

भावार्थ—उपर्युक्त पंक्तियों में यह बताया गया है कि अशोक के यह कहने पर कि शास्त्र कहते हैं कि स्त्रियों पर शस्त्र नहीं उठाना चाहिए इसलिए मैं भी स्त्रियों पर शस्त्र नहीं उठाऊँगा राजकुमारी पद्मा कहती है कि क्या शास्त्र यह आज्ञा देते हैं कि तुम अपनी जीत के लिए लाखों माँओं से उनके बेटे छीन लो, लाखों स्त्रियों का सुहाग उजाड़ दो। यदि शास्त्र तुम्हें यह शिक्षा देता है तो ऐसे शास्त्र को फूँक दो, खत्म कर दो।

भाषा-ज्ञान

(क) पूर्ण विराम, प्रश्नवाचक और आश्चर्यबोधक चिह्न क्या-क्या बताते हैं? नीचे लिखे वाक्यों को इस प्रकार पढ़िए कि उनके अंत में लगे हुए चिह्नों का आशय स्पष्ट हो जाए।

उत्तर– छात्र सवयं करें।

(ख) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– i. चिंता की छाया — **परेशानी होना**
राजा की मृत्यु होने पर प्रजा पर चिंता की छाया पड़ गई।

ii. लोहा लेना — **मुकाबला करना**
रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों से वीरतापूर्वक लोहा लिया।

iii. माँग का सिंदूर पोंछना — **विधवा कर देना**
दुश्मन ने श्यामसिंह की हत्या कर पद्मा की माँग का सिंदूर पोंछ दिया।

iv. गोद सूनी होना — **पुत्र का देहांत**
युद्ध में बहुत सारे लोगों के मारे जाने से लाखों माँओं की गोद सूनी हो गई।

v. खून की प्यास बुझाना — **जान से मार देना**
अजय ने विजय की हत्या कर अपने खून की प्यास बुझाई।

(ग) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखो–

उत्तर–

युद्ध	**शान्ति**	संध्या	**प्रातः**
असफल	**सफल**	जय	**पराजय**
आज	**कल**	पाप	**पुण्य**

(घ) वाक्य में प्रयोग कर अंतर स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– i. शस्त्र — **शस्त्र** युद्ध भूमि में प्रयोग किए जाते हैं।
शास्त्र — **शास्त्र** हमें सत्य का ज्ञान कराते हैं।

ii. चिता — **चिता** मरने के बाद मनुष्य को जलाती हैं।
चिंता — **चिंता** चिता से बढ़कर है।

iii. कल — **कल** कृष्ण का जन्म दिन है।

काल — **काल** कभी बन्धन में नहीं रहता।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

8 एक रुपये की अक्ल

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. समय पर निर्णय लेने की प्रवृति अकल कहलाती है।

ii. रौनक एक बुद्धिमान सुंदर लड़का था।

iii. रौनक ने अकल बेचने की दुकान खोली।

iv. सबसे पहले रौनक की दुकान पर अमीर महाजन का बेटा गंपू आया था।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. iii. अकल की 2. ii. अमीर महाजन का बेटा

3. i. कंजूस व्यक्ति 4. iii. दो रानियाँ

5. i. दस हजार रुपये 6. i. छोटी रानी को

(ग) निम्न प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. रौनक को विश्वास था कि एक दिन उसकी दुकान जरूर चलेगी।

ii. गंपू ने रौनक को एक रुपया दिया और बदलें में रौनक ने एक कागज पर लिखकर दिया—''जहाँ दो आदमी लड़-झगड़ रहे हों, वहाँ खड़े रहना बेवकूफी है।''

iii. गंपू का पिता कंजूस था, कागज पढ़कर वह गुस्से में गंपू को कोसता हुआ अक्ल की दुकान पर पहुँचा और कागज की पर्ची रौनक के सामने फेंकते हुए चिल्लाया—''वह रुपया लौटा दो, जो मेरे बेटे ने तुम्हें दिया था।''

iv. रौनक ने पैसे लौटाते समय यह शर्त रखी कि वह कागज पर लिखी हुई सलाह नहीं मानेगा।

v. राजा अपनी रानियों के साथ जौहरी बाजार से गुजरा और दोनों रानियों को हीरों का एक हार पसंद आ गया। दोनों ने सोचा—'महल पहुँचकर अपनी दासी को भेजकर हार मँगवा लेंगी। संयोग से दोनों दासियाँ एक ही समय पर हार लेने पहुँची।'' बड़ी रानी की दासी बोली—''मैं बड़ी रानी की सेवा करती हूँ इसलिए हार मैं लेकर जाऊँगी।'' दूसरी बोली—''पर राजा तो छोटी रानी को ज्यादा मान देते हैं, इसलिए हार पर मेरा हक है।'' इस प्रकार से दोनों झगड़ने लगी।

vi. जौहरी की दुकान के पास गूंप खड़ा हुआ था और उसने दासियों को लड़ते हुए देखा।

vii. गंपू और उसके पिता मदद के लिए रौनक के पास गए और रौनक ने पाँच हजार रुपए लेकर अकल दी कि गवाही के समय गंपू पागलपन का नाटक करे और दासियों के विरुद्ध कुछ न कहे।

viii. गवाही के अभाव में राजा ने आदेश दिया—''दोनों रानी अपनी दासियों को सजा दें, क्योंकि यह पता लगाना बहुत ही मुश्किल है कि झगड़ा किसने शुरू किया।''

ix. छोटी रानी गंपू से नाराज थी। इस बार रौनक ने उससे दस हजार लेकर उसे अकल दी कि ''तुम वह हार खरीदकर छोटी रानी को उपहार में दे दो।''

x. अंत में गंपू को हार खरीदकर भेंट करना पड़ा। रौनक की अकल की दुकान चल निकली तथा कंजूस महाजन सिर पीटकर रह गया।

(ख) किसने, किससे कहा–

उत्तर– i. गंपू ने, रौनक से

ii. रौनक ने गंपू से

iii. महाजन ने, रौनक से

iv. बड़ी रानी की दासी ने दूसरी दासी से

v. छोटी रानी की दासी ने दूसरी दासी से

vi. राजा ने, दरबारियों से

भाषा-ज्ञान

(क) निम्नलिखित के दो-दो पर्यायवाची लिखो–

उत्तर– i. विश्वास **यकीन भरोसा**

ii. अमीर **धनी धनवान**

iii. बेवकूफ **मूर्ख जड़ बुद्धि**

iv. राजा **नरेश भूप**

v. गवाह **साक्षी दर्शक**

vi. मदद **सहायता सहारा**

(ख) दिए गए वाक्यों में रंगीन छपे सर्वनाम शब्दो के भेद का नाम लिखो–

उत्तर– i. प्रश्नवाचक

ii. निश्चयवाचक

iii. निजवाचक सर्वनाम

iv. संबंधवाचक सर्वनाम

v. निश्चयवाचक सर्वनाम।

(ग) नीचे लिखे वाक्यों को शुद्ध करके लिखो–

उत्तर– i. उसकी अकल का मुकाबला कोई नहीं कर सकता।

ii. दुकान देखकर उससे रहा नहीं गया।

iii. गंपू घर गया और उसने पिता को कागज दिखाया।

iv. उस नगर के राजा की दो रानियाँ थी।

v. गंपू ने रानी को एक भेंट दी।

(घ) प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाएँ–

उत्तर– i. रिक्शा + वाला — **रिक्शावाला**

ii. दुकान + दार — **दुकानदार**

iii. निकाल + कर — **निकालकर**

iv. पागल + पन — **पागलपन**

v. महा + जन — **महाजन**

vi. प्रति + कर — **प्रतिकर**

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखें–

उत्तर– i. कीमत **कीमती**

iv. परेशान **परेशानी**

ii. बेवकूफी **बेवकूफ** v. विरुद्ध **विरोधी**

iii. पर्ची **पर्चा** vi. दास **दासी**

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

9 झाँसी की रानी

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दो–

उत्तर– i. लक्ष्मीबाई की सहेली काना और मुंदरा थी।

ii. कवयित्री ने लक्ष्मीबाई के लिए 'मर्दानी' विशेषण इसलिए प्रयोग किया है क्योंकि लक्ष्मीबाई ने मर्दों की तरह शत्रुओं से लोहा लिया था।

iii. रानी के साथ काना और मुंदरा आई थी युद्ध भूमि में युद्ध करने।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. ii. लक्ष्मीबाई को 2. i. भवानी को 3. ii. प्रसन्न

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. लक्ष्मीबाई झाँसी की रानी थी।

ii. रानी लक्ष्मीबाई और लेफ्टिनेंट वॉकर युद्ध झाँसी के मैदान में हुआ और वॉकर जख्मी होकर वहाँ से भाग निकला।

iii. रानी लक्ष्मीबाई के जीवन से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि जिस प्रकार रानी लक्ष्मीबाई से मुसीबतों का सामना करके मृत्यु को प्राप्त किया था उसी प्रकार हमें भी वीरतापूर्वक मुसीबतों का सामना करना चाहिए।

iv. मर्दानी, छबीली, भवानी, सिंहनी, अवतारी।

(घ) कविता की पंक्तियाँ पूर्ण करो–

उत्तर– i. कानपुर, **पटना में भारी धूम मचाई** थी,
जबलपुर, कोल्हापुर में भी कुछ हलचल उकसानी थी।
नाना के संग पढ़ती थी, वह नाना के संग खेली थी,
बरछी, **ढाल, कृपाण, कटारी उसकी सखी, सहेली थी।**

ii. रानी **गई सिधार चिता अब उसकी दिव्य सवारी थी,**
मिला तेज से तेज, तेज की वह सच्ची अधिकारी थी।
अभी **उम्र कुल तेईस की थी, मनुष्य नहीं अवतारी** थी,
हमको जीवित करने आई बन स्वतंत्रता नारी थी।

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर दो–

उत्तर– i. बूढ़े भारत में नई जवानी आई थी।

ii. लक्ष्मीबाई को वीर शिवाजी की गाथाएँ जुबानी याद थी।

iii. झाँसी के राजा की मृत्यु पर डलहौजी उनके राज्य को हड़पने के लिए सोचकर प्रसन्न हुआ।

iv. लक्ष्मीबाई की उम्र तेईस वर्ष थी।

भाषा-ज्ञान

(क) कविता के तुकांत शब्दों का मिलान करो–

उत्तर– i. पहचानी → ठानी
ii. खेली → सहेली
iii. अवतार → पुकार
iv. हर्षाया → पाया
v. हार → वार
vi. सवार → अधिकार

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया शब्दों को रेखांकित कर उनके भेद लिखो–

उत्तर– i. संयुक्त क्रिया
ii. प्रेरणार्थक क्रिया
iii. पूर्वकालिक क्रिया
iv. पूर्वकालिक क्रिया

(ग) निम्नलिखित शब्दों में गलत पर्यायवाची पर (✓) का चिह्न लगाओ–

उत्तर– i. भारत — **भरत**
ii. तलवार — **ढाल**
iii. पिता — **भर्ता**
iv. वेदना — **चोट**
v. आग — **अनिल**
vi. घोड़ा — **आखेटक**

(घ) निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग करो–

उत्तर– i. दुर्ग = डलहौजी ने आक्रमण करके झाँसी के **दुर्ग** पर अपना झंडा फहराया।
ii. वीरता = रानी लक्ष्मीबाई **वीरता** की अवतार थी।
iii. आह्वान = यज्ञ में आहुति द्वारा सभी देवताओं का **आह्वान** किया जाता है।
iv. तत्काल = डलहौजी ने राजा की मृत्यु का समाचार सुनकर झाँसी पर **तत्काल** चढ़ाई कर दी।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

10 विद्यादान

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. किसी व्यक्ति को शिक्षा देने को ही विद्यादान कहते हैं।
ii. ईश्वरचंद विद्यासागर का जन्म बंगाल में मेदिनीपुर जिले के वीरसिंह गाँव में हुआ था।
iii. बालक ने ईश्वरचंद जी से भीख माँगी।
iv. हाँ हमें परिश्रम अवश्य करना चाहिए क्योंकि परिश्रम के द्वारा ही हम जीवन में उन्नति कर सकते हैं।
v. ईश्वरचंद विद्यासागर जी ने बालक को एक रुपया दिया और कहा, भीख मत माँगो, बच्चे। परिश्रम करके कमाओ।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. i. बाजार से कुछ सामान लेने 2. ii. एक रुपया
3. ii. कभी भीख न माँगने का 4. iii. अपनी दुकान पर
5. i. परिश्रम

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. ईश्वरचंद जब बाजार जा रहे थे तभी उनके पास एक भिखारी बालक पैसे माँगने आया और बोला— ''बाबू, एक आना दे दो, भूखा हूँ, चने लेकर खा लूँगा।''

ii. ईश्वरचंद ने बालक को एक रुपया दिया।

iii. बालक ने पैसे लेकर कभी भीख न माँगने का निश्चय किया।

iv. ईश्वरचंद जी के चरण छूकर युवक ने कहा— ''मैं वही बालक हूँ जिसे आपने रुपया देकर परिश्रम करने की शिक्षा दी थी।

v. ईश्वरचंद विद्यासागर जी ने युवक से कहा— तुम भी दूसरों को सहयोग देकर उनकी गरीबी दूर करो। याद रखना, परिश्रम ही सफलता की कुँजी हैं।

vi. ईश्वरचंद लड़कियों की शिक्षा के पक्षधर थे तथा उसी के प्रचार के लिए वे गली-गली, मोहल्ले-मोहल्ले घूमते और विद्यालय के लिए दान एकत्रित करते थे।

vii. ईश्वरचंद चाहते थे कि पुस्तकें ऐसी सरल और रूचिकर हों कि कठिन-से-कठिन विषय को भी बच्चे चाव से पढ़ें। यही सोचकर उन्होंने सारी रात बैठकर सरल भाषा में संस्कृत व्याकरण की पुस्तक लिखी।

viii. ईश्वरचंद जी का लड़कियों को पढ़ाने का सपना आज साकार हो गया।

(घ) किसने, किससे कहा–

उत्तर– i. भिखारी बालक ने ईश्वरचंद विद्यासागर जी से
ii. ईश्वरचंद विद्यासागर जी ने भिखारी बालक से
iii. युवक ने ईश्वरचंद विद्यासागर जी से
iv. युवक ने ईश्वरचंद विद्यासागर जी से
v. ईश्वरचंद विद्यासागर जी ने युवक से
vi. युवक ने ईश्वरचंद विद्यासागर जी से

भाषा-ज्ञान

(क) विलोम शब्द लिखो–

उत्तर– i. जन्म **मृत्यु** iv. प्रसन्नता **दुख**
ii. शिक्षा **अशिक्षा** v. पवित्र **अपवित्र**
iii. मान **अपमान** vi. साकार **निराकार**

(ख) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखो–

उत्तर– i. भिखारी ii. दानी iii. दयावान
iv. अध्यापक v. वार्षिक।

(ग) निम्नलिखित के वचन बदलो–

उत्तर– i. लड़की **लड़कियाँ** ii. बालक **बालकों**
iii. नौकरी **नौकरियाँ** iv. पुस्तक **पुस्तकें**

v. गलियाँ **गली** vi. मोहल्ले **मोहल्ला**

(घ) उचित विराम-चिह्न लगाकर निम्नलिखित वाक्यों को दोबारा लिखो–

उत्तर– i. "जो पैसे दूँगा उसका क्या लोगे?"

ii. बालक का मन प्रसन्नता से भर गया।

iii. "अरे बाबू! पहचाना नहीं मुझे।"

iv. तुम्हें यहाँ आने में देर क्यों हुई?

v. वे किसी की पीड़ा नहीं देख सकते थे।

vi. उन्होंने लड़कियों के लिए विद्यालय खुलवाए।

vii. शाबाश! मुझे यही उम्मीद थी।

(ङ) क्रिया के साथ 'ओ' प्रत्यय लगाकर उसे भिन्न रूप दिया जाता है। निम्नलिखित क्रियाओं के साथ 'ओ' प्रत्यय लगाकर लिखो–

उत्तर– i. कमा + **ओ = कमाओ** ii. गँवा + **ओ = गँवाओ**

iii. जा + **ओ = जाओ** iv. पढ़ + **ओ = पढ़ो**

v. खेल + **ओ = खेलो** vi. गा + **ओ = गाओ**

(च) निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों मे प्रयोग करो–

उत्तर– i. तनख्वाह — ईश्वरचंद्र जी ने अपनी **तनख्वाह** में से एक रुपया भिखारी बालक को दिया।

ii. शिक्षा — **शिक्षा** का कोई मोल नहीं होता।

iii. परिश्रम — **परिश्रम** ही सफलता की कुंजी है।

iv. आग्रह — राम ने श्याम से चुप रहने का **आग्रह** किया।

v. सफलता — परिश्रम से **सफलता** प्राप्त होती है।

vi. भिखारी — रामू ने **भिखारी** की मदद की।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

11 समय

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. लेखक ने टाइमपीस ऐसे लोगों को कहा है जो समय पर घर पर मिलते हैं और समय पर दूसरे के घर भी जाते हैं।

ii. इंतजार से प्रेम इसलिए बढ़ता है क्योंकि हम जिसका इंतजार करते है प्रतिक्षण वह ही हमारे ध्यान में रहता है।

iii. नहीं यह सही नहीं है। हमें समय पर ही जाना चाहिए और समय पर ही मिलना चाहिए।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. ii. तीन 2. iii. हरिशंकर परसाई 3. ii. समय का

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. आदमी तीन प्रकार के होते हैं—समय पर घर पर न मिलने वाले, समय पर किसी के घर न जाने वाले और न ही समय पर किसी के घर पर मिलने वाले।

ii. जो समय पर घर पर मिलते हैं और समय पर दूसरे के घर भी जाते हैं। सज्जनतावश हम इन्हें भी 'आदमी' कह देते हैं।

iii. जो लोग समय तय करके भी घर पर नहीं मिलते हैं ऐसे लोग लेखक को भगवान के एजेंट मालूम होते हैं।

iv. लेखक अपने दोस्त से मिलने का समय तय करके कभी उस समय इसलिए नहीं जाता क्योंकि लेखक को पता होता है कि मित्र घर पर नहीं मिलेगा।

v. लेखक ने अपने अनुभवों से अपने दोस्त के विषय में यह अनुमान लगाया कि दोस्त ने जिस समय मिलने का वादा किया है वह उस समय नहीं मिलेगा।

(घ) रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

i. सज्जनतावश हम इन्हें **आदमी** कह देते हैं।

ii. ये असल में **टाइमपीस** हैं।

iii. हम उनका बैठक में **इंतजार** कर रहे हैं।

iv. लड़का मुँह छिपाकर **हँसता** है।

v. इस बार आत्मा ने **मनुष्य** का चोला लिया है।

(ङ) निम्नलिखित पंक्तियों की व्याख्या करो–

उत्तर– इस बार ..... पर पाए।

व्याख्या—उपर्युक्त पंक्ति में लेखक ने समय का ध्यान न रखने वाले लोगों के बारे में व्यंग्य करते हुए कहा है कि ऐसे लोग निंदा का पात्र होते हुए भी बहुत समझदार होते हैं वे जानते हैं कि काम इतने सारे हैं और आत्मा अमर है फिर जल्दी क्या है आत्मा तो अमर है अगले जन्म में बेशक मनुष्य का जन्म न मिले मेढक का जन्म मिलेगा तो भी चलेगा क्योंकि अपने काम तो हम मेढक के रूप में भी कर लेंगे मनुष्य रूप में नहीं कर पाए तो क्या हुआ।

(घ) कुछ अलग नया–

उत्तर– समय का ..... सोचकर लिखिए।

व्याख्या—हमें समय का गलत इस्तेमाल नहीं करना चाहिए क्योंकि समय बहुत कीमती होता है और एक बार हाथ से निकल जाने पर दोबारा लौट कर कभी नहीं आता है इसलिए हमें समय का सदुपयोग करना चाहिए दुरुपयोग नहीं।

भाषा-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग में वाक्य करो–

उत्तर– i. आत्मा — **आत्मा** सदा ही अमर रहती है।

ii. दिलचस्पी — ज्ञानी लोग महापुरुषों के उपदेश **दिलचस्पी** से सुनते हैं।

iii. निर्वाह — हीरा खेतों में मजदूरी करके अपना **निर्वाह** कर रहा था।

iv. फाटक — रेल आने से पंद्रह मिनट पहले **फाटक** बंद हो जाता है।

v. विज्ञापन — आजकल टी०वी० तथा पत्रिकाओं में **विज्ञापनों** की भरमार रहती है।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में आए वाच्य पहचानो और लिखो–

उत्तर– i. कर्मवाच्य ii. कर्तृवाच्य iii. भाव वाच्य
iv. कर्मवाच्य v. कर्मवाच्य ।

(ग) निम्नलिखित शब्दों में से प्रत्यय अलग करके लिखो–

उत्तर– i. आत्मीय = **आत्मा + ईय** v. भावुकता = **भावुक + ता**
ii. मित्रत्व = **मित्र + त्व** vi. रंगीन = **रंग + ईन**
iii. चरित्रवान = **चरित्र + वान** vii. घबराहट = **घबरा + हट**
iv. खरीदार = **खरीद + आर** viii. पंडिताई = **पंडित + आई**

(घ) शब्दों को सही क्रम में रखकर शुद्ध वाक्य बनाओ–

उत्तर– i. आदमी तीन प्रकार के होते हैं।
ii. इन्हें हम बर्दाश्त कर लेते हैं।
iii. दूसरे दिन आठ बजे हम फिर पहुँचते हैं।
iv. लड़का मुँह छिपाकर हँसता है।
v. अब हम दोनों सचेत हो गए।

(ङ) निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखो–

उत्तर– i. हम, इन्हें ii. वह, हमें iii. वही उनका
iv. वे, मुझे v. मैं, उसे।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

12 बदला

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. मच्छर परिवार परेशान था क्योंकि उनके परिवार में सब बेरोजगार थे।
ii. मच्छर के परिवार में मच्छर, उसकी पत्नी व उसके दस बच्चे थे।
iii. मच्छरों ने कुछ न कुछ काम करने की सोची।
iv. हाँ, मच्छरों ने हमें काटा है।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. ii. परेशान था 2. iii. क्यों ना कोई काम किया जाए
3. i. मजे से 4. iii. कि बच्चे बहुत कमजोर हो रहे है
5. ii. इन्सान

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. मच्छरी ने अपने पति को सलाह दी कि 'क्यों न कोई काम चालू कर दिया जाए,

बैठे-बैठे कौन खिलाएगा। बच्चे भी बड़े हो रहे हैं।

ii. मच्छर ने पान की दुकान खोली।

iii. मच्छर और उसकी पत्नी दुकान पर बैठते तथा उनके बच्चे भी दुकान पर बैठने लगे।

iv. एक दिन मच्छर ने महसूस किया कि उसके बच्चे दिन भर खांसते रहते हैं और कमजोर होते जा रहे हैं।

v. मच्छर की दुकान बढ़िया चलने लगी।

vi. मच्छर की दुकान पर ग्राहक आते खुद तो पान-तंबाकू खाते ही, मच्छर पुत्रों को भी प्रेरित करते। आखिरकार एक-एक कर मच्छर के दसों पुत्र स्वर्गवासी हो गए। मच्छर ने गुस्से के मारे दुकान बंद कर दी।

vii. मच्छर के बच्चों की मृत्यु के जवाबदार इंसान ही तो थे, क्योंकि उनकी प्रेरणा से ही भोले-भाले बच्चे तंबाकू खाना सीखे थे।

viii. मच्छर ने खुले आम घोषणा कर दी कि आगे से मच्छर अपने परिवार के पालन-पोषण के लिए कोई काम नहीं करेंगे सिर्फ आदमियों का खून चूसेंगे। तब से आज तक मच्छर इंसानों का खून चूस रहा है।

(घ) किसने, किससे कहा–

उत्तर– i. मच्छरी ने, मच्छर से ii. मच्छर ने, मच्छरी से

iii. मच्छर ने, मच्छरी से iv. मच्छरी ने, मच्छर से

भाषा-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखो–

उत्तर– i. परीवार **परिवार** iv. गारटि **गारंटी**

ii. बेरजोगार **बेरोजगार** v. हानीकारक **हानिकारक**

iii. वयापार **व्यापार** vi. सवग्रवासी **स्वर्गवासी**

(ख) बताओ कि निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रियाएँ सकर्मक हैं या अकर्मक–

उत्तर– i. सकर्मक ii. सकर्मक iii. सकर्मक

iv. अकर्मक v. अकर्मक।

(ग) निम्नलिखित शब्दों के सही समानार्थी शब्द पर (✓) लगाओ–

उत्तर– i. पिता = **पितृ**/अभिभावक ii. राजा = महेश/**नृप**

iii. आदमी = **मनुष्य**/देवता iv. दुनिया = वैभव/**संसार**

(घ) निम्नलिखित शब्दों के पहले 'अ' लगाकर विलोम शब्द बनाओ–

उत्तर– i. **अ** + सावधानी = **असावधानी**

ii. **अ** + छूत = **अछूत**

iii. **अ** + हिंसा = **अहिंसा**

iv. **अ** + ज्ञान = **अज्ञान**

v. **अ** + धर्म = **अधर्म**

vi. **अ** + सहमति = **असहमति**

vii. **अ** + शुद्ध = **अशुद्ध**
viii. **अ** + सफल = **असफल**

योग्यता-विस्तार

13

सूर्य-ग्रहण

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. हाँ, हम ग्रहण के बारे में जानते हैं।
ii. हाँ, सूर्य ग्रहण के अलावा भी एक और ग्रहण चंद्रग्रहण होता है।
iii. बच्चे गुरुजी से पूछ रहे हैं कि गुरुजी बताइए सूर्य ग्रहण कैसे होता है?
iv. सारे ग्रह बिना रुके सूरज के चक्कर लगाते हैं।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. ii. सूर्य ग्रहण की 2. i. सारे ग्रह 3. ii. चंद्रदेव
4. ii. अपने 5. i. सूर्य ग्रहण

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो–

उत्तर– i. जब चंद्रमा पृथ्वी और सूर्य के बीच में आकर सूर्य को ढक लेता है और चाँद की छाया सूर्य पर पड़ती है तब सूर्य ग्रहण होता है।
ii. गुरु जी बच्चों को सूर्य के सभी ग्रहों का ठौर-ठिकाना ढूँढ़ने के लिए बोलते हैं।
iii. सारे ग्रह आकाश में रहते हैं और सूरज के चक्कर लगाते हैं।
iv. धरा अपने सूरज के चक्कर लगाने के नियम से बंधी है और चंद्रदेव भी धरती माँ के साथ लगातार घेरे करते हैं।
v. चन्द्रमा की छाया सूर्यदेव पर पड़ती है और वो सूर्य-ग्रहण कहलाता है।
vi. सूर्य-ग्रहण को जानना कठिन नहीं है।

(घ) कुछ अलग नया–

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

भाषा ज्ञान

(क) दो-दो पर्यायवाची लिखिए–

उत्तर– i. सूर्य **रवि, दिनकर** v. धरती **भूमि, पृथ्वी**
ii. गगन **नभ, आसमान** vi. माँ **माता, जननी**
iii. दिन **वार, दिवस** vii. चंदा **चंद्रमा, मयंक**
iv. नियम **अनुशासन, नीति** viii. कठिन **मुश्किल, असाध्य**

(ख) आप भी एक-एक वाक्य बनाइए–

उत्तर– कुछ — वीर देश की रक्षा के लिए **कुछ** भी कर सकते हैं।
कोई — पिताजी से कल **कोई** आदमी मिलने आया था।

(ग) विशेषण के नीचे रेखा खींचो–

उत्तर– i. वह एक बहुत बड़ा ग्रह है।
ii. एक पुराना ग्रह भी था।
iii. तुम्हें धरती का चक्कर लगाना है।
iv. यह ग्रह ठंडा है।
v. यह नकली ग्रह है।

(घ) उदाहरणानुसार लिखें–

उत्तर– i. धरती – वासी = **धरती के वासी**
ii. गंगा – जल = **गंगा का जल**
iii. ग्रह – वासी = **ग्रह के वासी**
iv. गगन – वासी = **गगन के वासी**
v. पृथ्वी – वासी = **पृथ्वी के वासी**
vi. ईश्वर – भक्त = **ईश्वर के भक्त**

(ङ) निम्नलिखित को वाक्यों में प्रयोग करो–

उत्तर– i. ठोर ठिकाना = साधुओं का कोई **ठोर ठिकाना** नहीं होता है।
ii. गगन = पक्षी **गगन** में उड़ रहे हैं।
iii. चंद्रदेव = प्रत्येक 27 दिन के पश्चात् **चंद्रदेव** अदृश्य हो जाते हैं।
iv. ग्रहण = **ग्रहण** दो प्रकार के होते हैं।
v. कठिन = मेहनत से **कठिन** कार्य भी सरल हो जाते हैं।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

14 वस्तु का मूल्य

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. जौनपुर में एक धनवान राजा रहता था।
ii. राजा के पास एक प्राचीन स्वर्ण पात्र था।
iii. राजा स्वर्ण पात्र निकलने की बात करता था।
iv. राजा ने स्वर्ण पात्र किसी को नहीं दिया।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. iii. धनवान व्यक्ति था
2. i. प्राचीन स्वर्ण पात्र को
3. iii. अपनी माला और अंगूठी
4. ii. अपनी बेटी की

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. जौनपुर का राजा वैसे तो बहुत धनवान था लेकिन उसे एक बुरी आदत थी संचय करने की। लोभ की प्रवृत्ति तथा समय पर वस्तु का सदुपयोग न कर पाने के कारण राजा उस स्वर्ण–पात्र का उपयोग अपने जीवन में नहीं कर पाया।

ii. राजा स्वर्ण पात्र के विषय में सोचता था कि उस स्वर्ण पात्र को मैं किसी योग्य व्यक्ति के सामने ही निकालूँगा जिससे उसका सही सदुपयोग होगा।

iii. एक बार उसके यहाँ राज्य का एक मंत्री आया। तब उसने सोचा महज एक मंत्री के लिए इसे क्यों निकालूँ? किसी बड़े आदमी के सामने उसे निकालूँगा।

iv. राजा ने अपने गले से एक कीमती मोतियों की माला और एक अँगूठी उस भिखारी को दान में दे दी। परंतु उसने स्वर्ण पात्र नहीं निकाला।

v. राजा ने अपनी बेटी की शादी का प्रस्ताव दूसरे राजा के सामने रखा।

vi. राजा की मृत्यु के बाद महल की साफ–सफाई की गई और उस कमरे को भी साफ किया गया जहाँ वो स्वर्ण पात्र रखता था। सफाई के बाद राजा के बेटे ने उसमें से काम की चीजें निकालकर रख ली और वह पात्र और अन्य सामान नौकरों को रखने के लिए दे दिया।

vii. पात्र नौकरों को मिला और उन्होंने पात्र अपने पास रख लिया।

viii. इस पाठ से यह शिक्षा मिलती है कि मूल्य या महत्व की दृष्टि से मूल्यवान चीजों का यथा अवसर उपयोग कर लेना चाहिए। उन्हें बचाए रखने का लोभ व्यक्ति को उसके उपयोग से वंचित कर देता है। इतना ही नहीं उन चीजों के गलत हाथों में जाने की आशंका भी रहती है।

(ख) कुछ अलग नया–

उत्तर– i. अगर हम राजा की जगह होते तो हम उस स्वर्ण पात्र का सदुपयोग करते।

ii. वस्तु का मूल्य से तात्पर्य है कि वस्तु की कीमत उसके उपयोग से आँकी जाती है। वस्तु का मूल्य या कीमत उसके छोटे या बड़े होने से नहीं आँकी जाती बल्कि उसके उपयोग के आधार पर निर्धारित की जाती है। कभी–कभी छोटी वस्तु भी ऐसे समय पर बहुमूल्य हो जाती है जब वह वस्तु ऐसे सयम पर काम आती है जब उसकी सबसे अधिक आवश्यकता होती है।

भाषा-ज्ञान

(क) नीचे दिए गए शब्दों को लिंग के अनुसार अलग–अलग करें–

उत्तर– पुल्लिग **राजा, मंत्री, भिखारी, पात्र, मोतियों, संस्कार,**

स्त्रीलिंग **बेटी, नौकरानी, अंगूठी, शादी, सफाई, रानी**

(ख) निम्नलिखित के विलोम-शब्द लिखो–

उत्तर– i. स्वर्ण **भस्म** iv. बेटा **बेटी**

ii. धनवान **निर्धन** v. संस्कार **कुसंस्कार**

iii. संत **गृहस्थ** vi. सफाई **गंदगी**

(ग) दिए गए शब्दों के समानार्थक चुनकर (✓) लगाइए–

उत्तर– i. पुरस्कार — **इनाम** ii. रात — **निशा**

iii. कहानी — **कथा** iv. उम्मीद — **आशा**

v. छात्र — **विद्यार्थी**

(घ) सही क्रियाविशेषण चुनकर वाक्य पूरे करो–

उत्तर– i. राजा के चेहरे पर **अब** घबराहट थी।

ii. कहानी पढ़ते ही राजा **खुशी से** उछल पड़ा।

iii. राजा **दिन-रात** मेहनत करता था।

iv. अपना काम कभी **कल** पर नहीं छोड़ना चाहिए।

(ङ) निम्नलिखित शब्दों को पढ़े तथा श, ष और स के अन्य दो शब्द लिखों–

उत्तर– i. आशा **निराशा विदेश** iv. शरीर **शारीरिक शाम**

ii. पुष्प **शुष्क कुष्ठ** v. वर्षा **हर्षा विशेष**

iii. विश्वास **विश्व अश्व** vi. वापस **सप्ताह सारा**

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

15 सदाचार का तावीज

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. राज्य में प्रजा ने हल्ला मचा रखा था कि सब जगह भ्रष्टाचार फैला हुआ है।

ii. राजा ने अपने दरबारियों से कहा, ''प्रजा बहुत हल्ला मचा रही है कि सब जगह भ्रष्टाचार फैला हुआ है। हमें तो आज तक कही नहीं दिखा। तुम लोगों को कहीं दिखा हो तो बताओ।''

iii. बारीक चीजें देखने के लिए विशेषज्ञों को बुलाया गया।

iv. एक दिन दरबारियों ने राजा के सामने एक साधु को पेश किया और कहा, ''महाराज, एक कंदरा में तपस्या करते हुए इन महान साधक हो हम ले आए हैं। इन्होंने सदाचार का तावीज बनाया है। वह मंत्रों से सिद्ध है और उसके बाँधने से आदमी एकदम सदाचारी हो जाता है।''

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. i. भ्रष्टाचार का पता लगाने के लिए

2. iii. घूस के रूप में

3. i. भुजा पर बाँधने से व्यक्ति सदाचारी हो जाएगा

4. i. राज्य के एक कर्मचारी को

5. iii. पाँच करोड़ रुपए

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– i. राजा भ्रष्टाचार देखने की बात कर रहे थे। उन्होंने दरबारियों से पूछा, ''प्रजा बहुत हल्ला मचा रही है कि सब जगह भ्रष्टाचार फैला हुआ है। हमें तो आज तक

कहीं नहीं दिखा। तुम लोगों को कहीं दिखा हो तो बताओ।''

ii. दरबारियों ने राजा के सामने एक साधु को पेश किया और कहा, ''महाराज, एक कंदरा में तपस्या करते हुए इन महान साधक को हम ले आए हैं। इन्होंने सदाचार का तावीज बनाया है। वह मंत्रों से सिद्ध है और उसके बाँधने से आदमी एकदम सदाचारी हो जाता है।''

iii. विशेषज्ञों ने भ्रष्टाचार खत्म करने के विषय में राजा को बताया—''महाराज, हमने उसकी योजना तैयार कर ली है।''

iv. साधु को तावीज बनाने का ठेका दिया गया।

v. साधु को तावीज बनाने के लिए पाँच करोड़ रुपए पेशगी दिए गए।

vi. इस पंक्ति से यह पता चलता है कि सीमित कमाई वाले व्यक्ति का महीने के आखिरी दिनों में हाथ तंग हो जाता है और आवश्यकता पड़ने पर ईमानदार व्यक्ति भी बेईमान बन जाता है।

(घ) कहानी की घटनाओं को क्रम से लिखें–

उत्तर– 1. एक राज्य में हल्ला मचा कि भ्रष्टाचार बहुत फैल गया है।
2. विशेषज्ञों ने उसी दिन से छानबीन शुरू कर दी।
3. वह सर्वत्र व्याप्त है, इस भवन में भी है।
4. महाराज, यह योजना क्या हे, एक मुसीबत है।
5. सारी व्यवस्था उलट-पलट हो जाएगी।
6. मैं तुम्हारा राजा हूँ। क्या तुम आज सदाचार का तावीज बाँधकर नहीं आए?

(ङ) किसने किससे कहा–

उत्तर– i. दरबारियों ने राजा से
ii. राजा ने दरबारियों से
iii. राजा ने दरबारियों से
iv. विशेषज्ञों ने राजा से
v. मंत्री ने राजा से
vi. कर्मचारी ने राजा से

भाषा-ज्ञान

(क) निम्नलिखित के विपरीतार्थक शब्द लिखें–

उत्तर– i. स्थूल **सूक्ष्म**
ii. समस्या **निदान**
iii. गोचर **अगोचर**
iv. ईमानदार **बेईमान**
v. विराट **लघु**
vi. व्यवस्था **अव्यवस्था**

(ख) कोष्ठक में दिए गए समश्रुत शब्दों में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति करें–

उत्तर– i. हमारी आँखें आपकी विराटता देखने की **आदी** हैं।
ii. मंत्रियों ने **खाद्य** पदार्थ चखा।
iii. कर्मचारी **घूस** ले रहा था।
iv. यह तो भ्रष्टाचार की **चरम** सीमा है।

(ग) निम्नलिखित वाक्यो मे लगे विराम-चिह्नों को पहचानकर उनके नाम लिखो–

उत्तर– i. पूर्ण विराम
ii. प्रश्नवाचक चिह्न
iii. विस्मयादिबोधक चिह्न
iv. पूर्ण विराम

v. प्रश्नवाचक चिह्न   vi. उद्धरण चिह्न

(घ) दिए गए शब्दों की तरह 'र' के रूप के तीन-तीन शब्द और लिखों–

उत्तर–

र	दरबार, विराटता	**सरकार**	**महाराज**	**पराग**
`	सर्वव्यापारी, ईश्वर	**धर्म**	**सर्वदा**	**सर्वनाम**
्	प्रजा, भ्रष्टाचार	**अभिप्राय**	**प्रकार**	**प्रजाति**
‸	राष्ट्र, ट्रक	**मैट्रो**	**ट्रांसपोर्ट**	**ट्रॉली**

(ङ) उदाहरण के अनुसार लिखो–

उत्तर– पाठशाला — पढ़ने के लिए शाला

राज्यवासी — **राज्य में रहने वाले**

कर्मचारी — **काम करने वाला व्यक्ति**

सिंहासन — **राजा का आसन**

पृथ्वीवासी — **पृथ्वी पर रहने वाले व्यक्ति**

(च) इन शब्दों के विलोम शब्द लिखो–

उत्तर– i. चिंतित **प्रसन्नचित्त**   iv. व्यवस्था **अव्यवस्था**

ii. विराट **लघु**   v. सदाचार **दुराचार**

iii. झूठा **सच्चा**   vi. राजा **रंक**

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

16 पागल हाथी

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. मोती एक हाथी था।

ii. मोती ने अपने महावत को मार डाला था।

iii. मोती जंगल में भाग गया था।

(ख) सही विकल्प चुने–

उत्तर– 1. ii. राजा साहब की खास सवारी का हाथी

2. iii. अपने साथियों को   3. ii. महावत का बेटा

4. i. एक हजार रुपए का   5. iii. महावत का बेटा

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– i. मोती ने अपने पागलपन में अपने महावत को मार डाला।

ii. राजा ने मोती को मजदूर इसलिए बना दिया क्योंकि मोती ने पागलपन में अपने महावत को मार डाला था, अत: क्रोध में आकर राजा ने मोती को मजदूर बना दिया।

iii. मोती जंगल में भाग गया था और अपने साथियों को ढूँढ रहा था।

iv. राजा साहब शिकार पर जा रहे थे और मोती ने उन्हें मार डालने का प्रयत्न किया।
v. महल लौटकर राजा साबह ने ढिंढोरा पिटवा दिया कि जो आदमी मोती को जीवित पकड़कर लाएगा, उसे एक हजार रुपया इनाम दिया जाएगा।
vi. मुरली महावत का बेटा था और उसने मोती को प्यार से वश में किया।
vii. राजा साहब ने मुरली को एक हजार रुपया इनाम दिया तथा मुरली को अपना खास महावत बना दिया।
viii. मोती को देखकर सबको यह अचंभा हुआ कि वही पागल मोती अब गाय की तरह सीधा हो गया है।

(घ) निम्नलिखित वाक्यों के सामने सही (✓) या गलत (✗) का चिह्न लगाओ–

उत्तर– i. ✓ ii. ✗ iii. ✗ iv. ✓ v. ✗ vi. ✗।

भाषा-ज्ञान

(क) निम्नलिखित के दो-दो पर्यायवाची लिखिए–

उत्तर– i. हाथी **गज, मतंग**
ii. राजा **नरेश, भूप**
iii. महावत **शीलवान, हाथी**
iv. दिन **वार, दिवस**
v. रास्ता **मार्ग, पथ**
vi. पागल **विक्षिप्त, उन्मत्त**

(ख) निम्नलिखित शब्द वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध हैं; इनका शुद्ध रूप लिखो–

उत्तर– i. सवारि **सवारी**
ii. लकड़ीया **लकड़ियाँ**
iii. छपपर **छप्पर**
iv. हीम्मत **हिम्मत**
v. मसल्क **मस्तक**
vi. माहावत **महावत**

(ग) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ स्पष्ट करते हुए इनके प्रयोग से वाक्य बनाइए–

उत्तर– i. मिजाज गरम हो जाना = **बहुत गुस्से वाला होना**
कभी-कभी मोती **गर्म मिजाज का हो जाता** था।
ii. सुध ना रहना = **किसी का ख्याल न रहना।**
गुस्से में मोती को किसी बात की **सुध न रहती** थी।
iii. पेट की आग बुझाना = **खाना खाना**
मोती ने पेट भरकर खाना खाया और अपने **पेट की आग** बुझाई।
iv. चंचल हो जाना = **शैतान बन जाना**
चूहे को देखकर **बिल्ली चंचल हो गई।**
v. नमक हराम होना = **धोखा देना**
रामू एक **नमक हराम नौकर था** क्योंकि उसने अपने मालिक के घर चोरी थी।
vi. आँखों से ओझल होना = **दिखाई न देना**
चोर पुलिस की **आँखों से ओझल हो गए**।

(घ) सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों को भरिए–

उत्तर– i. संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को **विशेषण** कहते हैं।
ii. जिन शब्दों की विशेषता बताई जाए, उसे **विशेष्य** कहते हैं।
iii. विशेषण की विशेषता बताने वाले शब्दों को **प्रविशेषण** कहते हैं।

(ङ) निम्नलिखित शब्दों को बहुवचन में बदलकर लिखो–

उत्तर– i. लकड़ी = **लकड़ियाँ** ii. थपकी = **थपकियाँ**
iii. पदवी = **पदवियाँ** iv. टहनी = **टहनियाँ**
v. झोंपड़ी = **झोपड़ियाँ** vi. सवारी = **सवारियाँ**

(छ) निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग करो–

उत्तर– पागलपन — एक बार मोती ने **पागलपन** में अपने महावत को मार डाला।
महावत — काशी एक दयालु **महावत** है।
मस्तक — भारतमाता के **मस्तक** पर मुकुट सुशोभित है।
हिम्मत — परेशानी में हमें **हिम्मत** से काम लेना चाहिए।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

17 लोग कहते हैं गुरु ज्ञान देते हैं

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. ज्ञान हमें गुरु देते हैं।
ii. गुरु के कारण ही लोग शिष्य का सम्मान करते हैं।
iii. गुरु शरीर में प्राण देते हैं।

(ख) सही विकल्प चुनों–

उत्तर– 1. i. ज्ञान 2. ii. पहचान देते है
3. iii.मार्ग और संस्कार

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. लोग कहते हैं गुरु ज्ञान देते हैं।
ii. गुरू ज्ञान द्वारा शिष्य को नई पहचान देते हैं।
iii. गुरु शिष्य को जीवन सफल बनाने का मार्ग ज्ञान एवं संस्कार के द्वारा बताते हैं।
iv. गुरु भाईचारे का पाठ पढ़ाकर इंसान को इंसान से प्रेम करना सिखाता है।
v. इस कविता से हमें यह शिक्षा मिलती है कि किसी भी ज्ञान के प्रति सकारात्मक सोच रखनी चाहिए तथा उसे व्यवहार में लाना चाहिए।

(घ) पंक्ति पूरी करो–

उत्तर– i. गुरु के **कारण ही लोग शिष्य को सम्मान देते हैं**
जीवन सफल करने का नया मार्ग देते हैं।
ii. पंख होते **हैं मगर उड़ने को आसमान देते हैं**
शरीर होता है मगर प्राण देते हैं।

(ग) कुछ अलग नया
गुरु ..... बताय।

उत्तर– अर्थ–प्रस्तुत पंक्तियों में कवि कह रहा है कि गुरु और भगवान दोनों खड़े हैं मुझे

किसके पैर पड़ने चाहिए। मैं तो गुरु पर ही बलिहारी जाता हूँ जिन्होंने मुझे भगवान तक जाने का मार्ग बताया है।

भाषा-ज्ञान

(क) दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो–

उत्तर– i. ज्ञान– **शिक्षा विद्या** iv. शिष्य **विद्यार्थी छात्र**
ii. गुरु **शिक्षक अध्यापक** v. मार्ग **रास्ता पथ**
iii. प्राण **आत्मा जीव** vi. संस्कार **रस्म प्रथा**

(ख) नीचे दिए गए शब्दों में उचित स्थान पर 'र' का रूप लिखो–

उत्तर– i. गुर **गुरु** iv. पाण **प्राण**
ii. माग **मार्ग** v. पेम **प्रेम**
iii. शरी **शरीर**

(ग) विलोम शब्द लिखो–

उत्तर– i. गुरु **छात्र** iv. सत्य **असत्य**
ii. सम्मान **अपमान** v. अमूल्य **मूल्यवान**
iii. ज्ञान **अज्ञान** vi. आसमान **धरती**

(घ) निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करो–

उत्तर– i. प्राण — गुरु शरीर में प्राण देते हैं।
ii. अमूल्य — ज्ञान गुरु की अमूल्य देन है।
iii. शिष्य — गुरु के कारण ही लोग शिष्य को सम्मान देते हैं।
iv. गुरु — गुरु के बिना ज्ञान अधूरा है।
v. संस्कार — अच्छे संस्कार व्यक्ति को अच्छा नागरिक बनाते हैं।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

18 वीर शिवाजी

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म सन् 1627 में मराठा परिवार में हुआ।
ii. शिवाजी की माता का नाम जीजाबाई और पिता का नाम शाहजी था।
iii. शिवाजी के दादाजी का नाम कोंणदेव था।
iv. शिवाजी के साथ महाराणा प्रताप की गणना की जाती है।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. iii. 1627 2. iii. बीजापुर का
3. i. शिवाजी के पिता को 4. ii. अफजल खाँ को
5. ii. 1680 ई० में

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए दो–

उत्तर– i. शिवाजी स्वतंत्रता के पुजारी तथा वीर थे। उनका पालन पोषण उनकी माता

जीजाबाई ने रामायण, महाभारत तथा अन्य भारतीय वीरात्माओं की उज्ज्वल कहानियाँ सुनाकर और शिक्षा देकर किया था। वे सभी सामयिक युद्ध आदि विधाओं में निपुण थे तथा उन्होंने धर्म, संस्कृति और राजनीति की शिक्षा भी प्राप्त की थी। परम संत रामदेव के संसर्ग में वे राष्ट्रप्रेमी, कर्त्तव्यपरायण एवं कर्मठ योद्धा बन गए।

ii. शिवाजी मुस्लिम विरोधी होने का दोषी माना जाता था।

iii. शिवाजी का सारा संघर्ष औरंगजेब जैसे शासकों की कट्टरता और उद्दंडता के विरुद्ध था।

iv. माता जीजाबाई धार्मिक स्वभाव वाली होते हुए गुण-स्वभाव और व्यवहार में वीरांगना नारी थीं।

v. माता जीजाबाई ने बालक शिवा का पालन-पोषण रामायण, महाभारत तथा अन्य भारतीय वीरात्माओं की उज्ज्वल कहानियाँ सुनाकर और शिक्षा देकर किया था।

vi. बचपन में शिवाजी अपनी आयु के बालक इकट्ठे कर उनके नेता बनकर युद्ध करने और किले जीतने का खेल करते थे। युवावस्था में आते ही उनका खेल वास्तविक कर्म बन गया। वे शत्रुओं पर आक्रमण कर उनके किले आदि भी जीतने लगे।

vii. बचपन में शिवाजी ने पुरंदर और तोरण जैसे किलों पर अपना अधिकार जमाया।

viii. बीजापुर के शासक आदिलशाह जब शिवाजी को बंदी न बना सके तो उन्होंने शिवाजी के पिता शाहजी को गिरफ्तार किया।

ix. अफजल खाँ ने भाईचारे व सुलह का झूठा नाटक रचकर शिवाजी को अपनी बाँहों के घेरे में लेकर मारना चाहा।

x. शिवाजी की मृत्यु 1680 ई० में हुई और उनकी वीरता के कारण ही उन्हें एक आदर्श एवं महान राष्ट्रपुरुष के रूप में जाना जाता है।

(घ) पाठ की घटनाओं को क्रम से लिखें–

उत्तर– शिवाजी का जन्म 1627 में मराठा परिवार में हुआ।
शिवाजी पिताजी शाहजी और माता जीजाबाई के पुत्र थे।
शिवाजी के दादाजी का नाम कोंणदेव था।
शिवाजी ने पुरंदर और तोरण जैसे किलों पर अपना अधिकार जमाया।
बीजापुर के शासक ने शिवाजी को जीवित अथवा मुर्दा पकड़ कर लाने का आदेश दिया।
शिवाजी का स्वर्गवास सन् 1680 ई० में हुआ।

भाषा-ज्ञान

(क) विलोम शब्दों के जोड़े बनाकर लिखो–

उत्तर– आशा **निराशा**, शत्रु **मित्र**,
सम्मान **अपमान**, विजय **पराजय**।

(ख) 'प्रयत्न' में 'प्र' उपसर्ग है और 'संस्कृति' में 'सम्'। इसी प्रकार इन उपसर्गों से अन्य शब्द बनाएँ–

उत्तर–

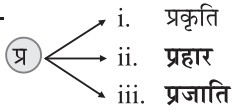

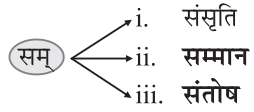

(ग) अशुद्ध वर्तनी के शब्दों के शुद्ध रूप लिखों–

उत्तर–

i.	स्वाधिन	**स्वाधीन**	v.	धरमिक	**धार्मिक**
ii.	अत्याचारि	**अत्याचारी**	vi.	आर्दश	**आदर्श**
iii.	वासतव	**वास्तव**	vii.	आक्रम्ण	**आक्रमण**
iv.	स्व्रगवास	**स्वर्गवास**	viii.	राष्ट्रपुरश्र	**राष्ट्रपुरुष**

(घ) पाठ में से दो-दो संज्ञा शब्द चुनकर लिखों–

उत्तर–

i.	व्यक्तिवाचक	—	शिवाजी	**कोंणदेव**	**शाहजी**
ii.	जातिवाचक	—	पुजारी	**मराठा**	**मुस्लिम**
iii.	भाववाचक	—	आदर्श	**वीरता**	**निपुण**

(ङ) निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाओ–

उत्तर– i. स्थापित — शिवाजी ने पुरंदर और तोरण जैसे किलों पर अपना अधिकार **स्थापित** किया।

ii. वास्तव — **वास्तव** में शिवाजी का सारा संघर्ष कट्टरता और उद्दंडता के विरुद्ध था।

iii. उज्जवल — शिवाजी एक **उज्ज्वल** चरित्र के व्यक्ति थे।

iv. इकट्ठे — बचपन में शिवाजी अपनी आयु के बालकों को **इकट्ठे** करके खेल खेला करते थे।

v. आग-बबूला — पिता शाहजी की गिरफ्तारी का समाचार पाकर शिवाजी **आग-बबूला** हो गए।

vi. अधिकार — शिवाजी ने पुरंदर और तोरण जैसे किलों पर अपना **अधिकार** जमाया।

(च) मुहावरों को उनके सही अर्थ से मिलाओ–

उत्तर–

i.	बाँहों में बाँहें डाले	बढ़ा-चढ़ाकर कहना
ii.	घाव हरे होना	आसान काम
iii.	नमक-मिर्च लगाना	एक साथ
iv.	हाँ में हाँ मिलाना	दु:ख या अपमान की याद आना
v.	बाँए हाथ का खेल	समर्थन करना

(छ) कारक और विभक्ति-चिह्न की तालिका पूरी कीजिए–

उत्तर–

कारक	**विभक्ति-चिह्न**
कर्ता	ने
कर्म	को
करण	से, के द्वारा
संप्रदान	को, के लिए
अपादान	से (अलग होने के अर्थ में)
अधिकरण	में, पर
संबंध	का, की, के
संबोधन	हे! अरे! ओ आदि!

(ज) निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग करो–

उत्तर– i. स्वतंत्र — हमारा देश 15 अगस्त, 1947 को **स्वतंत्र** हुआ।

ii. विरुद्ध — हमें पूरी हिम्मत के साथ किसी भी अन्याय के विरुद्ध लड़ना चाहिए।

iii. राजनीति — अकबर की **राजनीति** प्रशंसा के योग्य थी।

iv. अत्याचारी — औरंगजेब एक **अत्याचारी** शासक था।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

19 अन्याय के विरुद्ध

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. जूलिया एक मास्टरनी थी। जो लेखक के बच्चों को पढ़ाती थी।

ii. यह कहानी मूल रूप से अंतोन चेखव ने रूसी भाषा में लिखी है।

iii. लेखक यह समझाना चाहता है कि हमें पूरी हिम्मत के साथ किसी भी अन्याय का विरोध करना चाहिए।

iv. हमें अन्याय के विरुद्ध इसलिए बोलना चाहिए क्योंकि अन्याय सहते रहने से हम अन्याय के आदी हो जाते हैं और दूसरा व्यक्ति इस बात का लगातार फायदा उठाता रहता है।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. iv. मूर्खता 2. iii. रूस

3. iii. रूस 4. i. इकतालीस

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. लेखक ने जूलिया को अपने पास इसलिए बुलाया क्योंकि वह उसकी तनख्वाह का हिसाब करना चाहता था। लेखक ने उससे कहा, ''बैठो जूलिया! मैं तुम्हारी तनख्वाह का हिसाब करना चाहता हूँ। मेरे ख्याल से तुम्हें पैसों की जरूरत होगी और जितना मैं तुम्हें जानता हूँ तुम अपने आप अपने पैसे कभी नहीं माँगोगी।''

ii. जूलिया की तनख्वाह चालीस रूबल महीना थी और लेखक ने डायरी में लिखी तीस रूबल बताई।

iii. लेखक ने जूलिया की तनख्वाह में से रविवार की छुट्टी कोल्या को सिर्फ घुमाना इसके अलावा अन्य छुट्टियाँ तथा तीन दिन तक सिर्फ आधे दिन काम करने और प्याली तोड़ने तथा कोल्या की जैकेट फटने आदि बहाने बनाकर कटौती की।

iv. जूलिया द्वारा धन्यवाद दिए जाने पर लेखक ने चिल्लाते हुए कहा, ''तुम मुझे धन्यवाद दे रही हो जबकि तुम अच्छी तरह जानती हो कि मैंने तुम्हें ठग लिया है। तुम्हें धोखा दिया है। तुम्हारे पैसे हड़प लिए हैं। इसके बावजूद तुम मुझे धन्यवाद दे रही हो।''

v. लेखक ने जूलिया के साथ मजाक इसलिए किया क्योंकि वह उसे सबक सिखाना चाहता था।

vi. जूलिया को पहले कही ओर से तनख्वाह इसलिए नहीं मिली थी क्योंकि जूलिया दब्बू और भीरू थी तथा उसने अपनी तनख्वाह माँगी ही नहीं थी।

vii. अंत में लेखक ने जूलिया को समझाया—जूलिया, इंसान को भला कहलाए जाने के लिए इतना दब्बू, भीरू तथा बोदा नहीं बनना चाहिए कि वह अपने साथ हो रहे अन्याय का विरोध तक न कर सके। अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए तुम्हें इस कठोर, निर्मम और हृदयहीन संसार से लड़ना होगा। अपने दाँतों और पंजों के साथ लड़ना होगा पूरी ताकत के साथ। मत भूलो जूलिया कि इस संसार में दब्बू, भीरू और बोदे लोगों के लिए कोई जगह नहीं है।

(घ) किसने किससे कहा–

उत्तर– i. जूलिया ने लेखक से ii. लेखक ने जूलिया से
iii. लेखक ने जूलिया से iv. लेखक ने जूलिया से
v. लेखक ने जूलिया से

(ङ) कुछ अलग नया–

उत्तर– किसी का हक छीनना बहुत बुरी बात है। क्योंकि हक छीनने वाला दूसरे का हक छीनकर अपना काम तो निकाल लेता है लेकिन उसकी आत्मा उसे धिक्कारती रहती है तथा समाज में उसकी छवि भी खराब हो जाती है।

भाषा-ज्ञान

(क) इन वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए–

उत्तर– i. अतुलनीय ii. अन्यायी iii. स्वार्थी
iv. न्यायाधीश v. प्रशंसनीय

(ख) दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो–

उत्तर– i. तनख्वाह **वेतन आय** v. ज्यादा **अधिक बहुत**
ii. दिन **दिवस वार** vi. अन्याय **नाइंसाफी अत्याचार**
iii. नागा **छुट्टी अनुपस्थिति**
iv. बीवी **लक्ष्मी पत्नी**

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम छाँटकर लिखिए–

उत्तर– i. मैं ii. तुम iii. वह iv. तुम्हें v. मुझे।

(घ) लिंग बदलो–

उत्तर– i. मास्टर **मास्टरनी** iv. प्याला **प्याली**
ii. लेखक **लेखिका** v. बच्चा **बच्ची**
iii. मालिक **मालकिन** vi. गायक **गायिका**

(ङ) उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलो–

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

(च) शब्दो का वाक्यों मे प्रयोग करो–

उत्तर– i. क्रुद्ध स्वर — कभी किसी से **क्रुद्ध स्वर** में नहीं बोलना चाहिए।
ii. हृदयहीन — हीरासिंह एक **हृदयहीन** व्यक्ति है।
iii. सबक सिखाना — लोगों ने ठग को उसकी करतूत के लिए अच्छा **सबक सिखाया**।
iv. दब्बू होना — हमें किसी भी स्तर पर **दब्बू** नहीं होना चाहिए।

v. आँसू छलक आना — मोहन का दुख सुनकर सोहन के **आँसू छलक** आए।

vi. तनख्वाह — कर्मचारी महीने के अंत में **तनख्वाह** प्राप्त करते हैं।

(छ) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– i. संकेतवाचक ii. विस्मयादिबोधक iii. इच्छावाचक

(ज) निम्नलिखित के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– मास्टर = **मास्टरनी** कीमती = **साधारण**

दिन = **रात** पति = **पत्नी**

ठीक = **गलत** क्रुद्ध = **खुश**

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

मेहनत

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. टीका के परिवार में उसकी बीवी तारा व उसके दो बच्चे रहते थे।

ii. टीका अपनी ससुराल गया था।

iii. टीका दूसरे ही दिन अपनी ससुराल जाने की बात करने लगा और पत्नी यह सुनकर खुश हो गई थी।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. ii. मेहनती 2. iii. पास के गाँव में

3. i. वो बस बेकार चीजें ही लेकर जाते थे

4. ii. टीका की 5. ii. मेहनत की

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. टीका बहुत मेहनती मजदूर था।

ii. टीका खेतों में मजदूरी करके अपनी गुजर-बसर करता था।

iii. टीका बहुत मेहनती मजदूर था क्योंकि टीका खेतों में मजदूरी करके अपनी गुजर-बसर करता था।

iv. टीका अपने गाँव से कुछ उपहार अपने सास-ससुर के लिए ले गया था।

v. ससुराल पहुँचकर टीका फूला न समाया क्योंकि ससुराल में उसका स्वागत बड़े ही जोरदार ढंग से हुआ।

vi. ससुराल में टीका सिर्फ खाता था और आराम करता था।

vii. एक बार गाँव में लुटेरे आए। उन लुटेरों का उसूल था कि वे पूछ-पूछकर अतिरिक्त सामान या धन ले जाते थे।

viii. टीका के ससुर ने कहा—"ये हमारा दामाद टीका किसी काम का नहीं है। बस, ये खाता और सोता है। कुछ काम नहीं करता है। अपने घर में भी इसे कुछ काम नहीं है। तो, आप इसे ही ले जाओ।"

ix. ससुर की बात सुनकर टीका की सिट्टी-पिट्टी गुम हो गई क्योंकि टीका के

ससुर ने लुटेरों से यह कहा था कि ये हमारा दामाद टीका किसी काम का नहीं है तो आप इसे ही ले जाओ।

x. अंत में टीका ने एक अलग कोठरी में ले जाकर अपने ससुर की मिन्नतें की ओर हाथ-पैर जोड़ने पर उसके ससुर जी उसे लुटेरों को न देने के लिए मान गए।

(घ) कहानी की घटनाओं को क्रम से लिखें–

उत्तर– एक गाँव में टीका नाम का मजदूर रहता था।
उसने उस साल जी-तोड़ मेहनत की और बहुत धन कमाया।
ससुराल में उसका स्वागत बड़े जोरदार ढंग से हुआ।
वो बस खाता और सोता।
एक बार गाँव में लुटेरे आए।
ससुर की बात सुनकर टीका की सिट्टी-पिट्टी गुम हो गई।

भाषा-ज्ञान

(क) उदाहरण की सहायता से दिए गए शब्दों से 'शब्द-परिवार' बनाओ–

उत्तर–

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखो–

उत्तर–
i. खत्म **आरंभ**
ii. गाँव **शहर**
iii. स्वागत **तिरस्कार**
iv. प्रबंध **बदइंतजामी**
v. जीवन **मरण**
vi. निश्चय **अनिश्चय**

(ग) वर्ग से उपयुक्त समुच्चयबोधक शब्द लिखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर–
i. उसने बहुत कोशिश की **किंतु** सफल न हो सका।
ii. बच्चा रो रहा था **क्योंकि** उसे भूख लगी थी।
iii. तुम ज्यादा मत सोया। करो **वरना** आलस और बढ़ जाएगा।
iv. बच्चों को अच्छी आदतें सिखाइए **ताकि** आगे चलकर वे अच्छे इन्सान बनें।
v. समय से पहले **और** भाग्य से अधिक कुछ नहीं मिलता।
vi. आज वह घर नहीं आएगा **इसलिए** उसकी प्रतीक्षा मत करो।

(घ) 'प्र' और 'प्रति' उपसर्ग लगाकर शब्द बनाएँ–

उत्तर–
i चार **प्रचार**
ii. निधि **प्रतिनिधि**
iii. कूल **प्रतिकूल**
iv. भाव **प्रभाव**
v. दिन **प्रतिदिन**
vi. ति **प्रति**

(ङ) निम्नलिखित शब्दों का से वाक्य में प्रयोग कीजिए–

उत्तर–
i. मजदूरी — टीका खेतों में **मजदूरी** करके अपनी गुजर-बसर करता था।
ii. उद्देश्य — टीका धन कमाने के **उद्देश्य** से पास ही के एक गाँव में मजदूरी करने गया।

iii. जी-तोड़ — टीका ने उस साल **जी-तोड़** मेहनत की और खूब धन कमाया।
iv. खुशी-खुशी — टीका की पत्नी ने **खुशी-खुशी** टीका को गाँव जाने की इजाजत दे दी।
v. प्रबंध — गाँव में टीका के खाने-पाने और आराम का अच्छा **प्रबंध** किया गया था।
vi. सिट्टी-पिट्टी— ससुर की बात सुनकर टीका की **सिट्टी-पिट्टी** गुम हो गई।

(च) पाठ में से पाँच संबंधकारकों के उदाहरण छाँटो और वाक्य बनाकर लिखो–

उत्तर– टीका नामक मजदूर — एक गाँव में **टीका नामक मजदूर** रहता था।
टीका की ससुराल — **टीका की ससुराल** में उसका बहुत सम्मान हुआ।
जीवन से मेहनत — टीका के **जीवन से मेहनत** हवा हो गई।
बेकार चीजें — डाकुओं का उसूल था कि वे **बेकार की चीजें** ही लेकर जाते थे।
ससुराल के लोग — टीका की **ससुराल के लोग** बहुत अच्छे थे।

(छ) निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध करो–

उत्तर– i. इज्जाजत — **इजाजत** ii. अतिरिक्त — **अतिरिक्त**
iii. परबंध — **प्रबंध** iv. मुताबीक — **मुताबिक**
v. उदेशय — **उद्देश्य** vi. निशच्य — **निश्चय**

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

श्रम का पूण्य

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. सेठ जी आदत में बड़े दयालु थे।
ii. सेठ जी का व्यापार चौपट हो गया।
iii. नगर सेठ ने दानी सेठ को कंजूस इसलिए कहा क्योंकि दानी सेठ का पुण्य केवल तीन सिक्कों के बराबर निकला।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. ii. सेठ 2. i. व्यापार में
3. i. मजदूरी
4. iii. जिसकी दानी सेठ ने मुसीबत के समय मदद की थी।

(ग) प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. दानी सेठ बड़े दयालु थे तथा वे जितना कमाते थे उससे ज्यादा लोगों को दान देते थे।
ii. दूसरे नगर में जाकर सेठजी मजदूरी करने लगे।
iii. एक दिन सेठानी ने सेठ जी से कहा—"इस नगर का सेठ तो आपका परिचित है। उसने आपसे लाखों रुपए कमाए हैं। क्या वह मुसीबत के इन दिनों में हमारी

मदद नहीं करेगा? आप उसके पास जाकर तो देखिए?''

iv. दानी सेठ ने नगर के सेठ से व्यापार शुरू करने के लिए थोड़ा सा धन माँगा।

v. दानी सेठ को मजदूरी में चार मुट्ठी अनाज मिला था जो सेठजी ने एक भिखारी को दे दिया।

vi. सच्चा पुण्य श्रम से मिलता है।

(घ) किसने किससे कहा–

उत्तर– i. सेठानी ने सेठ से। ii. सेठ ने नगर के लोगों से।

iii. नगर सेठ ने सेठ से। iv. नगर सेठ ने सेठ से।

v. नगर सेठ ने सेठ से।

भाषा-ज्ञान

(क) निम्नलिखित के विलोम शब्द लिखो–

उत्तर– i. ज्यादा **कम** iv. श्रम **आलस**

ii. मुश्किल **आसान** v. जरूरत **फिजूल**

iii. जीवन **मरण** vi. बुराई **भलाई**

(ख) नीचे लिखे वाक्यों को शुद्ध करके लिखो–

उत्तर– i. सेठ को दान देना अच्छा लगता था।

ii. उसका व्यापार में घाटा हो गया था।

iii. नगर का सेठ बहुत धनी था।

iv. सेठानी बहुत तेज थी।

v. सेठ मुसीबत में सबकी मदद करता था।

(ग) चुनकर सही विराम-चिह्न लगाएँ–

उत्तर– दानी सेठ बोला, अच्छा मित्र धन्यवाद! ''अब तुम लोग भी अपना काम कर लो हम अपने नगर को चलते हैं।''

(घ) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखो–

उत्तर– i. दैनिक ii. सर्वव्यापक iii. निर्बल

iv. वक्ता v. बहुमूल्य vi. अनंत

(ङ) निम्नलिखित शब्दों का अर्थ वाक्य-प्रयोग द्वारा स्पष्ट करो–

उत्तर– आदी — रमेश झूठ बोलने का **आदी** है।

आदि — मुझे फलों में सेब, अमरूद, नाशपाती **आदि** पसंद हैं।

अंदर — मेहमान को **अंदर** आने दीजिए।

अंतर — प्रत्येक मनुष्य के **अंतर** में आत्मा विद्यमान रहती है।

दिन — रात के बाद **दिन** का समय होता है।

दीन — हमें **दीन**-दुखियों की सहायता करनी चाहिए।

अंत — प्रत्येक कहानी का **अंत** सुखांत होना चाहिए।

अंत्य — कुछ लोग बहुत ही **अंत्य** किस्म के होते हैं।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।